सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 66 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 19 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तमिलनाडु में बाढ़ से तीन की मौत, ट्रेन में फंसे 800 यात्री, रेस्क्यू में जुटी

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले इन दिनों बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। दरअसल इन जिलों में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। इससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तमिलनाडु में बारिश और बाढ़ के चलते पैदा हुए हालातों में तीन लोगों की मौत हो गई है। तमिलनाडु के थुटुकुडी जिले में कई जगहों पर रविवार को 525 मिमी बारिश हुई। इसके चलते थुटुकुडी में बाढ़ से आम जनजीवन बुरी तरह त्रस्त है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान ने बाढ़ से जूझ रहे लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना के हेलीकॉप्टर्स से खाने के पैकेट और अन्य जरूरी सामान गिराया जा रहा है।

मौसम विभाग ने कहा है कि मंगलवार को भी तमिलनाडु के कई जिलों में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई के मौसम विभाग ने बताया है कि अगले तीन घंटों में तमिलनाडु के कराईकल और कई अन्य जिलों में बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हो सकती है। जिन जिलों में भारी बारिश का अनुमान है, उनमें पुडुकोट्टई, तंजावुर, थिरुवर, नागापत्तिनम, रामानाथपुरम और शिवगंगाई शामिल हैं। वहीं थेनी, तेनकासी, कन्याकुमारी, थिरुनेलवेली, थुटुकुडी, विरुद्धनगर जिलों में हल्की बारिश का अनुमान है।

भारी बारिश से तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में ट्रेन यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन जिलों में बीते 24 घंटों में हुई करीब 670 मिमी और 932 मिमी बारिश के चलते यहां ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। कई स्टेशनों पर पानी भर गया है। वहीं ट्रेन सेवाएं बाधित होने और भारी बारिश की वजह से थिरुचेंदुर और तिरुनेलवेली स्टेशन के बीच चलने वाली एक ट्रेन में 800 यात्री फंस गए हैं, जिन्हें स्थानीय जिला प्रशासन और एनडीआरएफकी मदद से सुरक्षित जगहों पर ले जाने की तैयारी की जा रही है। एनडीआरएफने बताया है कि उसकी दो टीमें फंसे हुए रेल यात्रियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

डॉ. रमन सिंह निर्विरोध चुने गए विधानसभाध्यक्ष विधायकों की शपथ के साथ शीतकालीन सत्र शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ की छठवीं विधानसभा का प्रथम सत्र मंगलवार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रारंभ हो गया। शपथ ग्रहण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह को निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद सीएम विष्णुदेव साय और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत डॉ. रमन को आसंदी तक लेकर गए। इसके बाद रमन सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

इससे पहले 19 से 21 दिसंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम ने नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सत्र के पहले दिन विधानसभा के सभी 90 नव निर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम ने सबसे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ी में शपथ ली। इसके बाद उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत को शपथ दिलवाई गई। अधिकांश विधायकों ने हिंदी में शपथ ली, जबकि उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत सहित कई विधायकों ने छत्तीसगढ़ी में शपथ ली। कांग्रेस की विधायक विद्यावती सिदार, गुरु खुशवंत साहेब और प्रेमचंद पटेल ने संस्कृत में शपथ ली।

कल 20 दिसंबर को सुबह 11 बजे राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन का अभिभाषण होगा। 21 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा, वित्तीय कार्य के साथ अन्य शासकीय कार्य किए जाएंगे। इससे पहले सत्र के प्रथम दिवस सभी नव निर्वाचित विधायकों का मुख्य गेट पर पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधानसभा परिसर में छत्तीसगढ़ की लोक कला और लोक संस्कृति पर केंद्रित लोक नृत्यों की छटा भी देखने को मिली। नए सदस्यों के स्वागत के लिए विधानसभा परिसर को फूल माला और रंगोली से सजाया गया है। विधानसभा चौक का नए तरीके से सौंदर्यीकरण किया गया है। विधानसभा परिसर को लोककला और लोक संस्कृति युक्त चित्रों से सजाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के पहले सत्र में 10 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट पेश हो सकता है। यह अनुपूरक बजट तीन योजनाओं के लिए होगा। इनमें किसानों के दो साल के बकाया बोनस के लिए 2500 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए तीन हजार करोड़ रुपये और महतारी वंदन योजना के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रविधान हो सकता है।

आज नहीं, कल शपथ लेंगे मंत्री

नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद अब नए मंत्रिमंडल के शपथ का इंतजार किया जा रहा है। सोमवार को इंडोर स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां शुरू की गई, जिसके बाद कहा गया कि मंगलवार की शाम को मंत्री शपथ ले सकते हैं। लेकिन आज जो खबरें सामने आई, उसके मुताबिक, मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह अब कल यानी बुधवार को होगा। कुल 8 मंत्रियों के शपथ लेने की जानकारी सामने आई है। हालांकि विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत कुल 13 मंत्री रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि दो मंत्रियों का चयन बाद में किया जाएगा। आज मंगलवार को भी दोपहर तक इंडोर स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां की जाती रही। मुख्यमंत्री साय ने पहले ही संकेत दे दिया है कि इस बार कई नए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। कुल मिलाकर साय मंत्रिमंडल में नए और पुराने मंत्रियों का समावेश होगा।

चाक-चौबंद व्यवस्था, आने-जाने वालों पर नजर

लोकसभा भवन की सुरक्षा में हुई चूक के बाद राज्य विधानसभा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विधानसभा परिसर और मार्ग में 600 से अधिक जवान तैनात हैं। विधानसभा में सत्र अवधि के दौरान सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। केवल प्रवेश पत्रधारी लोगों को ही विधानसभा परिसर में प्रवेश की पात्रता है। प्रवेशपत्र धारकों को अपने संस्थान का परिचय पत्र या आधार कार्ड रखना आनिवार्य होगा। विधानसभा परिसर और सभी दीर्घाओं में सुरक्षा कर्मियों द्वारा कड़ी नजर रखी जाएगी। विधायकों को ही वीआइपी गेट तक जाने की अनुमति होगी। विधायकों के कार्यकर्ता और स्वजन के लिए विधान सभा परिसर स्थित प्रेक्षागृह में बड़ी स्क्रीन लगाकर सदन की सीधी कार्यवाही देखने की व्यवस्था की गई है। उनका प्रवेश गेट क्रमांक एक से होगा।

संसद में सबसे बड़ी कार्रवाई, पहली बार 141 सांसद निलंबित

नईदिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को लोकसभा की कार्यवाही के दौरान सुरक्षा में चूक की गंभीर घटना घटी थी। इस घटना के बाद से ही विपक्षी सांसद केंद्र सरकार के खिलाफ लामबंद हो गए। विपक्ष सरकार से संसद की सुरक्षा में सेंध मामले पर चर्चा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग कर रहा है। इसी मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। लोकसभा और राज्यसभा में भारी नारेबाजी और नियमों में उल्लंघन के बाद 'कार्यवाही में व्यवधान' डालने के आरोप में कई विपक्षी सांसदों को शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया। वर्तमान में चल रहे

शीतकालीन सत्र में अब तक 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा चुका है।

संसद की सुरक्षा में चूक के मसले पर हंगामे को लेकर सांसदों का निलंबन जारी है। दो दिन में 92 सांसदों को सस्पेंड किए जाने के बाद मंगलवार को एक बार फिर लोकसभा से 49 और सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया। इनमें कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, शशि थरूर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला से लेकर एनसीपी की सुप्रिया सुले और सपा की डिंपल यादव तक शामिल हैं।

एक दिन पहले ही संसद में अमर्यादित आचरण के लिए सांसदों का निलंबन किया गया था। कुल 92 सांसदों के निलंबन की कार्रवाई पहले ही की जा चुकी थी। अगर आज के आंकड़ों को जोड़ लिया जाए तो लोकसभा से अब तक 95 सांसदों को निलंबित किया गया है। वहीं, राज्यसभा से 46 सांसदों को सस्पेंड किया गया। संसद के दोनों सदनों से अब तक कुल 141 सांसदों को निलंबित किया जा चुका है। पिछले हफ्ते गुरुवार को लोकसभा के 13 सांसद और राज्यसभा से एक सांसद को निलंबित किया गया था। वहीं, सोमवार को लोकसभा से 33 और राज्यसभा से 45 सासंदों को निलंबित किया गया। यह किसी भी सत्र में निलंबित सांसदों की सबसे बड़ी संख्या है।

सांसदों ने निलंबन का पहला मामला 1963 में आया। जब राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कुछ सांसदों ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर गए। बाद में इन सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को फिर बड़ा झटका

हाईकोर्ट ने दी 1991 के मुकदमे को ट्रायल की मंजूरी

इलाहाबाद। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी भूमि स्वामित्व विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश दिया है। ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1991 के मुकदमे को ट्रायल की मंजूरी दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पांच याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

जज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने मालिकाना हक विवाद के मुकदमों को चुनौती देने वाली सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि मुकदमा देश के दो प्रमुख समुदायों को प्रभावित करता है। हाईकोर्ट ने कहा कि हम वाराणसी जिला ट्रायल कोर्ट को छह महीने में मुकदमे का फैसला करने का निर्देश देते हैं।

1991 से चल रही है कानूनी लड़ाई

काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला मुकदमा दाखिल हुआ था। याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर की ओर से सोमनाथ व्यास, रामरंग शर्मा और हरिहर पांडेय बतौर वादी इसमें शामिल हैं। मुकदमा दाखिल होने के कुछ महीने बाद सितंबर 1991 में केंद्र सरकार ने पूजा स्थल कानून बना दिया। ये कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे एक से तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है।

विडंबना : 12 सालों से नरक भोग रहे मानपुर मोहला के 11 परिवार

■ राशन-पानी से लेकर दवाइयों तक के लिए लगाते है कई किलोमीटर की दौड़

मानपुर मोहला। आधुनिक युग में पहुंचने के बाद भी लोग अंधविश्वास से नाता नहीं तोड़ पा रहे हैं। ऐसे ही अंधविश्वास से जुड़ी एक कहानी छत्तीसगढ़ की है जहां केवल तंत्र विद्या के वहम के चलते गांव से 11 परिवार को निकाल दिया गया। आज लगभग 12 साल का समय बीत चुका है और यह परिवार शासन प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहा है।

अंधविश्वास से जुड़ा यह पूरा मामला छत्तीसगढ़ के नवीन जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी का बताया जा रहा है। इस जिले के गांव पीड़िगपार में 11 परिवार के खिलाफगांव में तालिबानी फरमान लगा दिया गया है। आज ये 11 परिवार गांव के लोगों से एक गिलास पानी के लिए भी तरस रहे हैं। इन परिवार के लोगों

को ना गांव में राशन मिलता है ना पानी में से कोई बातचीत करता है। ना ही इनके सुख-दुख में ही कोई शरीक होता है। आज पूरे गांव में उनकी स्थिति हो गई है कि ये लोग इस तरह से गांव के रवैया से परेशान हैं और जिला प्रशासन से न्याय की तलाश के लिए गुहार लगा रहे हैं।

गांव ने बंद कर दिया दाना-पानी

कई साल बीत गए। अब तो इस परिवार से गांव में कोई भी व्यक्ति रिश्ता नहीं रख रहा है और न ही गांव के किसी दुकान से राशन, पानी, दवाइयां देता है। इस वजह से इन परिवार के लोगो को तीन से चार किलोमीटर दूसरे गांव जाकर अपने दैनिक उपयोग का सामान खरीदना पड़ रहा है क्योंकि गांववालों द्वारा फैसला लिया गया कि इस पूरे परिवार को गांव के लोगों द्वारा कोई भी राशन, पानी, लेनदेन यहां तक की बच्चों को चॉकलेट,बिस्किट तक नहीं देगा, न ही बातचीत करेगा। अगर कोई बात नहीं मानता या फिर उस परिवार को राशन-पानी देने या बात करने की कोशिश करता है तो गांव वालों द्वारा उस पर कार्रवाई करते हुए पांच हजार जुर्माना की सजा देगी। ऐसे में ये सभी परिवार काफी डरे हुए है और प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे है। अब देखना यह कि आधुनिक युग मे जी रहे लोग आज भी अंधविश्वास में विश्वास कर रहे गांव वालों को क्या प्रशासन समझा पाएगी और 12 साल से गांव से अलग हुए परिवार को न्याय दिला पाएगी।

बताया जाता है कि साल 2012 में गांव के स्कूल में स्कूली छात्रों को बिना किसी व्यक्ति द्वारा मारने पीटने का अहसास होने की शिकायत बच्चो ने अपने परिजनों को दी थी जिसके बाद गांव में बैठक कर तंत्र मंत्र का प्रकोप बताते हुए पूजा-पाठ कराया गया था। इस बैठक में गांव के कायता राम यादव पर जादूटोना करने का आरोप लगाते हुए उसे गांव से बाहर भगाने का आदेश हो गया था। इतना ही नहीं उसका साथ देने वाले 10 परिवार को भी 11 साल से गांव बाहर रखा हुआ है।

मां को निर्मोही कहने की गुस्ताखी क्यों?

श्रीकंचनपथ

जब भी कहीं कोई नवजात शिशु लावारिस मिलता है, उंगलियां उस अज्ञात मां की तरफउठ जाती है जिसने अपने कलेजे के टुकड़े को खुद से जुदा किया होता है। उसने यह निर्णय किस मजबूरी के तहत लिया होगा, इसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता। इस निर्णय के बाद खुद उसके दिलो-दिमाग में किस तरह की उथल-पुथल मचती है, इसकी भी कोई परवाह समाज नहीं करता। इस घटना का, स्वयं उसके शेष जीवन पर कैसा प्रभाव पड़ता है, समाज के पास यह सोचने की भी फुर्सत नहीं। उसे तो बस एक मौका चाहिए उंगली उठाने का। इस कार्य में उसे महारत हासिल है। चुटकियों में वह मजबूर मां को कलंकिनी, निर्मोही, कलमुही घोषित कर देता है। सभी जानते हैं कि संतान की उत्पति स्त्री और पुरुष के मिलन से होती है। फिर दोषी अकेली मां क्यों? क्या सिर्फ इसलिए कि प्रकृति ने मातृत्व की जिम्मेदारी उसे सौंपी है? उन पुरुषों का क्या जो सांड बनकर समाज में घूम रहे हैं? उस समाज का क्या जिसने व्यभिचार को मौन स्वीकृति दे रखी है? लोग प्यार एक से कर रहे हैं, संबंध दूसरी से बना रहे हैं और विवाह तीसरी से कर रहे हैं। मामला खुलने के बाद भी बेहिस समाज धोखा खाई हुई प्रेमिका को ही कुलटा ठहरा देता है। समाज के ठेकेदारों को भले ही यह विसंगति दिखाई न दे पर कानून बनाने वालों और स्वस्थ मानसिकता के लोगों ने इस विडम्बना को समझा और उसका हल निकालने की कोशिश की। बिन ब्याही मां के लिए अपने बच्चे के साथ अकेले जीवन काटना बेहद मुश्किल हो जाता है। बच्चे को उससे अलग कर उसे एक और मौका देने की कोशिश तो की ही जा सकती है। इसके लिए सरकार ने कई प्रावधान किये हैं। पालना घर और मातृछाया जैसे संस्थान इसी उद्देश्य के लिए खोले गए हैं ताकि ऐसी मजबूर मां नवजात को कूड़े पर फेंकने के लिए विवश न हो। इसके लिए अस्पतालों के एक कोने में झूले लगवाए गए हैं। नवजात शिशु को इन झूलों में डाला जा सकता है। इसमें सेंसर लगे होते हैं जो शिशु के आगमन की सूचना अस्पताल के मातृत्व एवं शिशु विभाग को तत्काल दे देते हैं। ऐसी ही व्यवस्था मातृछाया में भी है जहां गेट पर ही पालना लगा होता है। शिशु को इसमें डालकर मां या उसके परिजन घंटी बजाकर चुपचाप निकल सकते हैं। इससे निर्दोष शिशु को अकालमृत्यु से बचाया जा सकता है। मां को भी इस बात का संतोष रहता है कि उसने शिशु के जीवित रहने और उसकी देखभाल की कोई तो व्यवस्था कर दी। इन पालना घरों और मातृछाया से शिशुओं को उन दंपतियों को गोद दिया जाता है जो संतान के लिए तरस रहे हैं। पर नवजात को बचाना हमेशा संभव नहीं होता। एक ऐसा ही मामला कोरबा में सामने आया जिसमें शिशु की मौत हो गई। समाज फिर 'कलंकिनी' को ढूंढ रहा है।

संपादकीय

काम का समय

संसद शुक्रवार को अप्रिय स्थितियों में उठी थी और सोमवार को भी अप्रिय माहौल ही हावी रहा। लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को आसन की बात न मानने पर निलंबित किया गया। 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में जो चूक हुई थी, उसकी गूंज अभी तक संसद में बनी हुई है। हंगामे के बीच ही विधेयक पर्याप्त बहस के बिना पारित हो रहे हैं। राज्यसभा में सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 पारित हो गया। कुछ ही दलों के नेताओं ने किसी तरह से चर्चा में भाग लिया। हां, महिलाओं से जुड़े विधेयकों पर चर्चा हो सकती थी। भारतीय विधायिका या निकाय में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है और इसके लिए बाकायदे कानूनन व्यवस्थाएं खड़ी की जा रही हैं।

> जवाब मांगना सही हो सकता है, पर उसके लिए हंगामा करना विचारणीय है। प्रत्यक्ष विपक्ष में मोटे तौर पर 140 सांसद हैं, जबकि करीब 50 सांसद अपेक्षाकृत निष्पक्ष मुद्रा में हैं, जबकि सत्ता पक्ष के पास 325 से ज्यादा सांसदों का बल है। बीते विधानसभा चुनावों ने भी समीकरण को सत्ता पक्ष की ओर झुका दिया है, पर विपक्ष को संयम के साथ अपनी ताकत का इजहार करना चाहिए। यह अड़ने का समय नहीं है, बीच की राह निकालकर चलने का समय है।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करना है। यह केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का प्रावधान पेश करता है। अनुच्छेद-14 के तहत एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। कश्मीर की विधानसभा में भी बड़ी संख्या में महिलाओं का पहुंचना जरूरी ही नहीं, सुखद भी है, पर जब ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो रहे थे, तब हंगामा क्यों हो रहा था? खैर, अगली जनगणना के बाद जब परिसीमन होगा, तब कश्मीर ही नहीं, तमाम राज्यों की रूपरेखा बदल जाएगी। केंद्रशासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पुडुचेरी विधानसभा में सभी निर्वाचित सीटों में एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित करता है। ध्यान रहे, ये दोनों विधेयक पिछले हफ्ते ही लोकसभा में पारित हो चुके हैं। अच्छा होता, अगर ये विधेयक हंसी-खुशी पारित होते, तो निचले स्तर पर महिलाओं तक सही संदेश पहुंचता। चिंता की बात है कि पिछला सत्र मणिपुर हिंसा की भेंट चढ़ गया था और यह सत्र संसद की सुरक्षा में चूक की वजह से मुश्किल से चल रहा है। शायद संसद में सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले युवा यही चाहते होंगे कि उनकी कारस्तानी की खूब चर्चा हो। संसद में इन दिनों जो चल रहा है, वह भारतीय लोकतंत्र का बुरा चाहने वालों के मुफीद है। हमारे सांसदों को यह एहसास होना चाहिए। देश के सामने बहुत से काम पड़े हैं, राजनीति ही सब कुछ नहीं है।

निचले सदन के लिए चुनाव होने हैं, वहां चुनाव का तनाव स्वाभाविक है, पर राज्यसभा क्यों पटरी से नीचे उतर रही है? चूंकि विपक्ष या खासकर कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि उसे अपने मुद्दों पर अच्छी-खासी संख्या में मत मिले हैं, इसलिए विरोध की तीखी राजनीति को वह शायद जारी रखना चाहती है। पहले केंद्रीय गृह मंत्री से सदन में जवाब मांगा जा रहा था और अब प्रधानमंत्री से भी मांग शुरू हो गई है। जवाब मांगना सही हो सकता है, पर उसके लिए हंगामा करना विचारणीय है। प्रत्यक्ष विपक्ष में मोटे तौर पर 140 सांसद हैं, जबकि करीब 50 सांसद अपेक्षाकृत निष्पक्ष मुद्रा में हैं, जबकि सत्ता पक्ष के पास 325 से ज्यादा सांसदों का बल है। बीते विधानसभा चुनावों ने भी समीकरण को सत्ता पक्ष की ओर झुका दिया है, पर विपक्ष को संयम के साथ अपनी ताकत का इजहार करना चाहिए। यह अड़ने का समय नहीं है, बीच की राह निकालकर चलने का समय है।

अपनी जवाबदेही से मुकरें

यह समझना कठिन है कि संसद में बहस की छोटी-सी मांग पर सरकार ने क्यों जिद्दी रुख अपना लिया है? और क्यों दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी इतने सख्त हो गए कि 14 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया?

संसद में हुई सुरक्षा चूक पर विपक्ष ने दोनों सदनों में चर्चा और फिर गृह मंत्री के बयान की मांग की है, तो इसे एक सामान्य संसदीय प्रक्रिया कहा जाएगा। आखिर संसद की सुरक्षा का भंग होना कोई छोटा मामला नहीं है। दरअसल, यह समझना कठिन है कि इतनी छोटी-सी मांग पर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने क्यों जिद्दी रुख अपना लिया है? और क्यों दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी इतने सख्त हो गए कि 14 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया? बेशक, ऐसे कुछ पहलू हैं, जिनकी चर्चा से सत्ता पक्ष असहज हो सकता है। मसलन, वर्तमान लोकसभा के कार्यकाल में संसद परिसर की सुरक्षा संबंधी संयुक्त संसदीय समिति का गठन ना होने के तथ्य से सरकार घिरती है। आखिर ऐसी लापरवाही क्यों हुई? इसी तरह चूंकि संसद में गैस कनिस्तर के साथ घुसने वाले नौजवानों का पास एक भाजपा सांसद ने बनवाया था, तो यह भी सत्ता पक्ष को असहज करने वाला तथ्य है। जब जांच टीम ने गिरफ्तार नौजवानों पर यूएपीए लगाने का निर्णय लिया, तो उससे यह मुद्दा और गंभीर हो गया।

स्पष्टत: पुलिस मामले को आतंकवादी गतिविधि मान रही है। ऐसे में भाजपा सांसद पर ऐसी गतिविधि में सहायक बनने का इल्जाम स्वाभाविक रूप से लग जाता है। तो यह मांग वाजिब है कि उनसे उसी रूप में पूछताछ होनी चाहिए, जैसे ऐसी गतिविधियों में शामिल होने वाले किसी व्यक्ति से होती है। संभव है कि संसदीय बहस के दौरान देश में पहले से मौजूद इस शिकायत को दोहराया जाए कि भाजपा शासन काल में जुर्म और मुजरिम की परिभाषाएं बदल दी गई हैं- यह इस आधार पर तय होती है कि अपराध किसने और किसके खिलाफ किया है। इसके बावजूद सत्ता पक्ष के लिए उचित होगा कि वह इस मामले में अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश ना करे। बल्कि बहस होने पर दोनों सदनों में उसे ऐसे आरोपों और शिकायतों का जवाब देने का मौका मिलेगा। अगर तथ्य और तर्क उसके पक्ष मे दिखे, तो विवेकशील जनता के मन में मौजूद संदेहों का निवारण होगा। वरना, लोग तो अपनी राय तो बना ही रहे हैं।

कांग्रेस का क्राउड-फंडिंग

भाजपा से असहमत लोग विकल्प के तौर पर कांग्रेस को नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन को देख रहे हैं। ऐसे में इस गठबंधन की तरफ से चंदा उगाहने की मुहिम छेड़ी जाती, तो उसका न सिर्फ प्रतीकात्मक प्रभाव होता, बल्कि कुछ सियासी असर भी हो सकता था।

कांग्रेस ने अब सीधे जनता से चंदा उगाहने का फैसला किया है। आम तौर पर राजनीति में इसे एक बेहतर रास्ता समझा जाता है। इससे पार्टियां थैलीशाहों पर निर्भर होने से बचती हैं, जबकि इस माध्यम से चंदा देने वाले लोगों से उनका जीवंत रिश्ता भी बनता है। इससे चंदा देने वालों के प्रति उनकी एक न्यूनतम जिम्मेदारी बनने की संभावना भी जगती है। दुनिया भर में चुनावी लोकतंत्र पर थैलीशाहों का शिकंजा कस गया है, जिससे ये व्यवस्थाएं धनिक-तंत्र में तब्दील हो गई हैं। अमेरिका में 2016 में जब बर्नी सैंडर्स डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की होड़ में उतरे, तो उन्होंने छोटे चंदों को अपने अभियान की खास पहचान बताया। उनकी टीम ने तब एलान किया था कि सैंडर्स को लाखों छोटे चंदे मिले और उस रकम का औसत सिर्फ 18 डॉलर था। यह दीगर बात है कि सैंडर्स की व्यापक लोकप्रियता के बावजूद अंतत: थैलीशाहों और उनके लॉबिस्ट्स ने उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनने दिया।

बहरहाल, अब भारत में कांग्रेस ने इस मॉडल को अपनाने का फैसला किया है, तो सामान्य स्थितियों इसका स्वागत किया जाता।

> **ये खबरें इशारा कर रही हैं कि अब ये तरीके युद्ध के 'हथियार' बनते जा रहे हैं। जाहिर है, अपनी ताकत दिखाना अब अंतरराष्ट्रीय जगत में रोजमर्रा की चीज हो गई है। इस वैश्विक अव्यवस्था को खत्म करने के लिए सामूहिक नेतृत्व की जरूरत है, जिसका फिलहाल अभाव दिखता है। इसका सीधा मतलब है कि दुनिया 2024 का स्वागत अनिष्ट की आशंकाओं के साथ करेगी, जहां अतीत की धारणाओं से भविष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकेगा।**

फिर जंग के जुनून में डूबती दुनिया

हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज

जैसे-जैसे साल 2023 अपने अंत की ओर बढ़ रहा है, यह साफ दिखने लगा है कि युद्ध फिर से अंतरराष्ट्रीय संबंधों का केंद्र बनता जा रहा है। ताकत के संसाधन अब न सिर्फ समकालीन वैश्विक व्यवस्था का अहम हिस्सा बनते दिख रहे हैं, बल्कि इनकी क्षमता यह याद भी दिला रही है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति की अराजक प्रकृति राष्ट्रों के व्यवहार पर अपना दबाव डालती है। इसमें संस्थाएं, बाजार और मानदंड कोई राहत नहीं देते। ताकतवर देश अपनी इच्छानुसार काम करते हैं, जबकि कमजोर राष्ट्रों को सबसे ज्यादा कष्ट सहना पड़ता है। आज की दुनिया का यही 'न्यू नॉर्मल' है।

रूसी आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई से ऐसा गतिरोध पैदा हो गया है, जिसका कोई समाधान मिलता नहीं दिख रहा है। सर्दियों की दस्तक के साथ यह जंग भी लंबी खिंच गई है, क्योंकि दोनों पक्ष इसे जीतने की उम्मीद में ड्रोन पर अधिक से अधिक भरोसा करने लगे हैं, जबकि इन दोनों में से किसी का सपना फिलहाल पूरा होता नहीं दिख रहा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दशकों तक सत्ता संभालने के बाद फिर से सत्तारूढ़ होने का अभियान चला रहे हैं, और रूस को पश्चिम के सामने एक संप्रभु-आत्मनिर्भर शक्ति बनाने का वायदा कर रहे हैं। पुतिन यह तर्क भी दे रहे हैं कि रूस अपनी संप्रभुता से कतई समझौता नहीं कर सकता।

इन सबसे यूक्रेन के लिए राजनीतिक व कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। हालांकि, हंगरी के विरोध के बावजूद यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के साथ सदस्यता-वार्ता शुरू करने का फैसला किया है, लेकिन इसके नेता कीव को सहायता पैकेज देने पर सहमत नहीं हो पा रहे, जिसकी यूक्रेन को सख्त जरूरत है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हाल ही में अमेरिका का दौरा भी किया था, लेकिन यूक्रेन को 61 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने के मुद्दे पर बुरी तरह विभाजित अमेरिकी रिपब्लिकन को मनाने में वह सफल नहीं हो सके। यदि कीव को मॉस्को के खिलाफ मैदान में डटे रहना है, तो अमेरिकी मदद उसके लिए काफी अहमियत रखती है, लेकिन अमेरिकी कांग्रेस (संसद) इसके लिए एक वाजिब गारंटी और स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य की मांग कर रही है।

इससे व्लादिमीर पुतिन को यह यकीन हो गया है कि उन्हें सफलता के लिए पश्चिमी एकता के पूरी तरह से खत्म होने तक इंतजार करना होगा। परिणामस्वरूप, उन्होंने यूक्रेन के बिना शर्त आत्म-समर्पण के बारे में अपना रुख और सख्त कर लिया है। वह साफ-साफ बताना चाहते हैं कि यूक्रेन में तभी शांति आएगी, जब रूस अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा। इससे यूक्रेन को उसकी हैसियत दिखाने की पुतिन की इच्छा बेशक पूरी होती नजर आ रही हो, लेकिन इसके लिए उन्होंने रूस की अर्थव्यवस्था को खोखला कर दिया है।

यूरेशिया की यह जंग ही मानो काफी न थी कि 7 अक्तूबर को हमास के लड़ाकों ने पश्चिम एशिया में युद्ध भड़काने का काम कर डाला। इजरायल अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पाने के लिए मैदान में उतर तो गया है, लेकिन जैसे-जैसे यह युद्ध लंबा खिंचता जा रहा है, वह अपने सहयोगी देशों का समर्थन भी गंवाता हुआ दिख रहा है। फ्रांस ने जहां इजरायल-हमास युद्ध में तत्काल संघर्ष-विराम की वकालत की है, तो वहीं ब्रिटेन व जर्मनी ने स्थायी संघर्ष-विराम का आह्वान किया है। इससे इजरायल पर दबाव बढ़ रहा है कि वह अपने कदम वापस खींच ले, क्योंकि आम नागरिकों के मरने की खबरें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। इजरायल ने अब तक पीछे हटने से साफ इनकार किया है। उसने युद्ध-विराम को एक गलती बताया है, जो हमास के लिए एक उपहार होगा। मगर इजरायल के भीतर भी गतिरोध तेज है, खासकर आईडीएफ (इजरायली सेना) द्वारा गाजा में अपने अभियान के दौरान गलती से तीन इजरायली बंधकों को ही मार डालने के बाद से।

हालांकि, इजरायल की सबसे बड़ी परेशानी तेल अवीव और बाइडन प्रशासन के बीच बढ़ती दरार है। इसने बाइडन पर अपनी ही पार्टी के भीतर से इजरायली सैन्य अभियान को नरम करने का दबाव बढ़ा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने यह सुझाव देकर अपनी प्राथमिकताएं भी स्पष्ट कर दी हैं कि इजरायल ने गाजा पर अंधाधुंध बमबारी करके वैश्विक समर्थन खोना शुरू कर दिया है। लगता यही है कि अमेरिकी सरकार पर बढ़ते स्थानीय दबाव के कारण राष्ट्रपति बाइडन शायद ही इजरायल के सैन्य अभियानों के लिए लंबे समय तक कूटनीतिक कवच बने रह सकेंगे।

इन सबके कारण इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए उम्मीदें कमजोर पड़ती जा रही हैं। बेशक उनकी मंशा एक सैन्य ताकत और शासक के रूप में हमास का समूल नाश करना है, लेकिन हमास की विचारधारा हर गुजरते दिन के साथ मजबूत होती दिख रही है। हालिया सर्वेक्षणों के मुताबिक, वेस्ट बैंक में हमास के लिए समर्थन बढ़ता जा रहा है, जिसको काटने का कोई विश्वसनीय हथियार फिलवक्त इजरायल के पास नहीं दिखता।

ये तमाम टकराव ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब अमेरिका और चीन के बीच श्रेष्ठ बनने की होड़ बढ़ती जा रही है। कई मायनों में, इस संघर्ष का केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र है, जहां तनाव अभी चरम पर है। हालांकि, परदे के पीछे से एक अन्य जंग भी छिड़ी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में काफी उथल-पुथल है। आज बड़ी शक्तियां परोक्ष युद्ध में भी शामिल हैं, जिसका एक महत्वपूर्ण हथियार है, जहर देकर या किसी अन्य तरीके से अपने दुश्मनों की हत्या। इस साल अगस्त में उस वैगनर आर्मी के प्रमुख की विमान हादसे में मौत हो गई, जिसने जून में रूसी सेना के खिलाफविद्रोह किया था। इसमें शक की सुई राष्ट्रपति पुतिन की तरफ उठी। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी की मौत के बाद भारत की खुफिया एजेंसियों पर भी कुछ इसी तरह के आरोप उछले। अभी पाकिस्तान में दाऊद इब्राहिम को जहर देने की चर्चा जोरों पर है। ये खबरें इशारा कर रही हैं कि अब ये तरीके युद्ध के 'हथियार' बनते जा रहे हैं। जाहिर है, अपनी ताकत दिखाना अब अंतरराष्ट्रीय जगत में रोजमर्रा की चीज हो गई है। इस वैश्विक अव्यवस्था को खत्म करने के लिए सामूहिक नेतृत्व की जरूरत है, जिसका फिलहाल अभाव दिखता है। इसका सीधा मतलब है कि दुनिया 2024 का स्वागत अनिष्ट की आशंकाओं के साथ करेगी, जहां अतीत की धारणाओं से भविष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

तेलंगाना के बाद अब आंध्र में बढ़ने लगी चुनावी सरगर्मी

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

तेलंगाना में कांग्रेस की जीत ने आंध्र प्रदेश में भी विपक्ष को उत्साहित कर दिया है और एक मौका उसके हाथ आ गया है। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी हो या तेलंगाना में सरकार बनाने वाली कांग्रेस, दोनों को यही लगता है कि अगर वे तेलंगाना में अपनी स्थिति कायम रख सके, तो दूसरे तेलुगु राज्य आंध्र प्रदेश में भी कामयाबी हासिल कर सकते हैं। फिलहाल राज्य की बात करें, तो विपक्ष में तेदेपा बढ़त पर है और आगामी चुनाव में सत्ता की मजबूत दावेदार है।

हाल के दो घटनाक्रमों पर गौर करना चाहिए। पहला, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला की अपनी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस का कांग्रेस पार्टी में विलय लगभग तय है और दूसरा, वाईएसआर कांग्रेस से जगन के कुछ करीबी सहयोगियों के पार्टी छोड़ जाने से भी नई संभावनाओं को बल मिला है। चूंकि आंध्र प्रदेश में अभी कांग्रेस की उपस्थिति अच्छी नहीं है, उसके पास एक विश्वसनीय नेतृत्व की कमी है और शर्मिला कांग्रेस की जरूरत के हिसाब से अनुकूल लगती हैं। चंद्रबाबू नायडू जेल से रिहा हो गए हैं और उसके बाद से सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस से तेदेपा में नियमित रूप से नेताओं का आना एक बड़ी कामयाबी है। अब तक वाईएसआर कांग्रेस के कम से कम आधा दर्जन विधायक तेदेपा में जा चुके हैं। नायडू की मानें, तो इस पार्टी के लगभग 40 विधायक पाला बदलने के इच्छुक हैं। हालांकि, इस दावे में थोड़ी अतिशयोक्ति है, मगर यह स्पष्ट है कि जगन मोहन फिसलन भरी जमीन पर हैं।

यह समय कांग्रेस के लिए भी अनुकूल है, क्योंकि शर्मिला तेलंगाना की राजनीति से बाहर निकलने के लिए मौके की तलाश में हैं। अंतिम समय में उन्होंने चुनावी स्पर्द्धा से हटने का फैसला लिया और उनके इस कदम से तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता विरोधी वोटों के बंटवारे को रोक पाई। शर्मिला अगर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

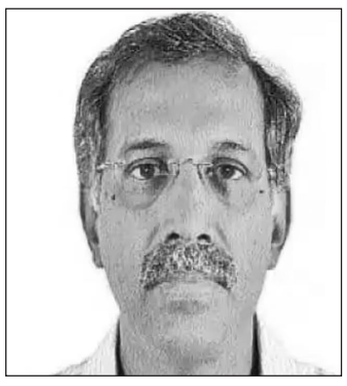

में शामिल होती हैं, तो कांग्रेस के वोटों में इजाफा हो सकता है और परोक्ष रूप से तेदेपा को भी मदद मिल सकती है।

दरअसल, तेलंगाना में शर्मिला की विफलता का एक कारण आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन होना भी है। शर्मिला ने तेलंगाना में बीआरएस शासन के खिलाफ साहसपूर्ण आंदोलन करके लोगों की धारणा को तोड़ने की कोशिश की। पदयात्रा पर निकलीं। उन्हें हिरासत में भी लिया गया, मगर उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ, इसलिए इसमें आशंका है कि क्या वह पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में सेंध लगा सकती हैं? आंध्र प्रदेश में सत्ता के लिए चंद्रबाबू नायडू भी जगन के खिलाफ कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। वहां शर्मिला को अपने भाई जगन से कड़ा मुकाबला करना होगा। तेलंगाना की तरह आंध्र प्रदेश में भी राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। तेलंगाना के विपरीत आंध्र प्रदेश में तेदेपा और उसकी सहयोगी जन सेना, दोनों ही भाजपा के साथ गठबंधन करने की इच्छुक हैं।

वर्ष 2014 में जब तेलंगाना को आंध्र प्रदेश से अलग किया गया, तब आंध्र प्रदेश में तेदेपा प्रभावशाली जीत हासिल करने में सफल रही, पर अगले ही चुनाव में जगन ने उसे बुरी तरह हराया, जगन की पार्टी को 151 सीटें मिलीं और तेदेपा को केवल 23 सीटें। जन सेना ने 175 सदस्यों वाली आंध्र विधानसभा में एक सीट से शुरुआत की, जबकि कांग्रेस और भाजपा, दोनों को कोई सीट नहीं मिली थी। जगन की पार्टी को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले, जबकि तेदेपा को 40 प्रतिशत। ऐसे में, अगले चुनाव में वहां कांग्रेस के भाग्य का चमकना एक कठिन मामला है। शर्मिला से सबसे अच्छी उम्मीद यही की जा सकती है कि वह राज्य में कांग्रेस को पुनरुद्धार के रास्ते पर लाएं और एक नेता के रूप में अपनी प्राथमिकताओं में सुधार करें।

इस बीच जगन मोहन को अपनी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पुराने लोग उन्हें छोड़कर जा रहे हैं और वह खुद अनेक पुराने नेताओं के टिकट काटने की सोच रहे हैं। नायडू लौटकर क्या कमाल दिखाने वाले हैं और शर्मिला कांग्रेस के प्रदर्शन को कैसे बेहतर कर सकती हैं? चुनाव कुछ ही महीने दूर हैं और चुनावी जमीन तैयार हो रही है। अभी इतना तो स्पष्ट है कि आंध्र की राजनीति में नायडू की वापसी की संभावना है और भाई-बहन के बीच का मुकाबला भी दिलचस्प हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लालू, नीतीश, अखिलेश कैसे रोकेंगे मोदी का तूफान

हरिशंकर व्यास

देश के बाकि क्षत्रप नेताओं की तरह लालू प्रसाद और नीतीश कुमार, अखिलेश यादवसभी इस मुगालते में हैं कि भाजपा ने राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को हराया है, 'इंडिया' नहीं हारी है। लालू और नीतीश का दूसरा मुगालता है कि बिहार बाकी राज्यों से अलग है, वहां नरेंद्र मोदी का जादू नहीं चलने वाला है। तीसरा मुगालता है कि जाति गणना का मुद्दा भले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नहीं चला हो लेकिन बिहार में चलेगा। चौथा भ्रम है कि भाजपा भले कांग्रेस को हरा ले लेकिन प्रादेशिक क्षत्रपों को हराने में उसे मुश्किल आती है। पांचवां भ्रम है कि 2015 के विधानसभा चुनाव में जैसे भाजपा को हराया था उसी तरह 2024 में भी हरा देंगे। इस तरह के और भी कई भ्रम होंगे, जिनके आधार पर राजद, जदयू, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों का दावा है कि कुछ भी हो जाए भाजपा बिहार में नहीं जीत सकती है। इसलिए दोनों पुराने क्षत्रप इस भरोसे में हैं कि उनको किसी की जरुरत नहीं है। वे अपने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर भाजपा को हरा देंगे। इस वजह से दोनों प्रादेशिक क्षत्रप कांग्रेस को किनारे करने और तीन-चार सीटें देकर निपटाने की राजनीति कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि जब राजद और जदयू साथ हैं तो किसी और की जरूरत नहीं है।

लेकिन क्या सचमुच ऐसी स्थिति है? क्या सचमुच बिहार बाकी राज्यों से अलग है या भाजपा प्रादेशिक पार्टियों को नहीं हरा सकती है? क्या 2015 के विधानसभा चुनाव की तरह ही 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा? सबसे पहले तो लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों को यह समझना होगा कि जब लोकसभा चुनाव की बात आती है तो कोई राज्य अलग नहीं रह जाता है, खास कर उत्तर भारत में हिंदी पट्टी के राज्य। सब एक जैसी लहर में बहते हुए होते हैं। दूसरे, यह भी समझना होगा कि प्रादेशिक क्षत्रप विधानसभा चुनाव में भले भाजपा का मुकाबला कर लेते हों लेकिन लोकसभा चुनाव में मोदी और भाजपा की लहर के आगे कहीं नहीं टिकते हैं। बिहार में छह पार्टियों के गठबंधन की सरकार में शामिल पार्टियों को बिहार के आंकड़ों से ही इसे समझने की जरूरत है।

बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार मिल कर सिर्फ एक बार 2015 में विधानसभा चुनाव लड़े थे। दोनों पार्टियां एक साथ मिल कर कभी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ी हैं। लेकिन भाजपा एक बार जदयू से अलग होकर भी लोकसभा

का चुनाव लड़ चुकी है। यह अलग बात है कि उस समय जदयू और राजद का तालमेल नहीं था। तब राजद और कांग्रेस एक साथ लड़े थे, जबकि जदयू ने लेफ्ट पार्टियों के साथ तालमेल किया था। यह दोनों गठबंधन 40-40 सीटों पर लड़ा था और कुल मिला कर 43 फीसदी वोट मिले थे। जबकि भाजपा और उसके गठबंधन को 40 सीटों पर 39 फीसदी वोट मिले थे और उसने 31 सीटें जीती थीं। इसके बाद 2019 में भाजपा और जदयू मिल कर लड़े थे, जिसमें दोनों पार्टियों ने मिल कर 40 में से 39 सीटें जीत ली थीं। पहली बार यानी 2014 में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल को 20 फीसदी और दूसरी बार यानी 2019 में सिर्फ 15 फीसदी वोट मिले थे। सोचें, राजद का दावा मुस्लिम-यादव के 30 फीसदी वोट का है लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में राजद को सिर्फ 15 फीसदी वोट मिले। जाहिर है, जब लोकसभा चुनाव की बात आती है तो लालू प्रसाद का यादव वोट टूटता है और उसका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जाता है। नीतीश भी भाजपा से अलग होकर लड़े थे तो 38 सीटों पर उनको 15 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन जब भाजपा के साथ हुए तो 2019 में 17 सीटें लड़ कर ही 21 फीसदी से ज्यादा ले आए।

सो, पहली बात तो यह समझने की है कि लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री चुनने के लिए मतदान करते समय जनता अलग तरह से बरताव करती है और मुख्यमंत्री चुनते समय अलग तरह से। बिहार में लोगों को पता है कि लालू प्रसाद चुनाव नहीं लड़ सकते हैं और तेजस्वी यादव को प्रधानमंत्री नहीं बनना है। नीतीश कुमार भी विपक्ष की ओर से कोई प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। इसलिए बिहारी अस्मिता का दांव कितना कारगर होगा यह नहीं कहा जा सकता है। दूसरे, राजद और जदयू पहली बार एक साथ मिल कर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे तो दोनों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बड़ी खींचतान है। कई सीटों की अदला-बदली होनी है, जिससे जमीनी समीकरण बदलेगा, जबकि दूसरी ओर भाजपा अपने पुराने सहयोगियों के साथ लड़ेगी।

बिहार में सरकार चला रहे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को लग रहा है कि जाति गणना का दांव रामबाण नुस्खा है। हालांकि हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में यह मुद्दा नहीं चला और कांग्रेस को वोट नहीं दिला सका। लेकिन राजद और जदयू को लग रहा है कि चूंकि उन्होंने जाति गणना कराई है और लालू, नीतीश मंडल की राजनीति के मसीहा हैं तो उनको फायदा मिलेगा। पर मुश्किल यह है कि जाति गणना में सबसे बड़ी आबादी 36 फीसदी अत्यंत पिछड़ी जातियों की है, जिसे राजद और जदयू के राज में सत्ता नहीं मिलेगी। सबको पता है कि मुख्यमंत्री नीतीश रहेंगे और बाद में तेजस्वी बनेंगे। ध्यान रहे पिछले 33 साल से लालू परिवार से कोई मुख्यमंत्री रहा है या नीतीश रहे हैं। इन दोनों की आबादी 17 फीसदी है। इनके सिस्टम में अत्यंत पिछड़ा के लिए कोई खास जगह नहीं है। दूसरी ओर भाजपा अत्यंत पिछड़ा को चेहरा बना सकती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अत्यंत पिछड़ा श्रेणी में आते हैं। नीतीश कुमार ऐलान कर चुके हैं कि अगली बार तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे तो अति पिछड़ों और दलितों के साथ साथ सवर्ण मतदाताओं के मन में भी आशंका है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

मंगलवार, 19 दिसंबर 2023

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सेना भर्ती रैली के चौथे दिन 363 युवाओं ने पास की दौड़

जांजगीर-चांपा। पुलिस लाइन, जांचगीर-चांपा में आयोजित किए जा रहे सेना भर्ती रैली के चौथे दिन 18 दिसम्बर, 2023 को छत्तीसगढ़ के 14 जिलों- बस्तर, धमतरी, कोरिया, महासमुंद, रायपुर, नारायणपुर, सुकमा, बालौदाबाजार, गरियाबंद, सूरजपुर, बलरामपुर, सांरगढ़, बिलाईगढ़, खैरागढ़, मोहला-मानपुर के 1096 युवाओं ने अपना कौशल दिखाया । आज के दिन के लिए 1361 युवाओं को एडमिट कार्ड जारी किया गया था, जिसमें से 1096 युवाओं ने अपनी उपस्थिति दी। उम्मीदवारों ने एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने में बहुत उत्साह दिखाया और शारीरिक दृढ़ता दिखाई, इसमें 363 युवाओं ने दौड़ प्रतिस्पर्धा पास की । दौड़ प्रतिस्पर्धा पास उम्मीदवारों को अब शारीरिक प्रवीणता, कागजी कार्यवाही और मेडिकल प्रक्रिया से गुजरना होगा। जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा और सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के संयुक्त सहयोग से भर्ती प्रकिया सुचारू रूप से चल रही है । भारतीय सेना में चयन निष्पक्ष, पारदर्शी और केवल योग्यता के आधार पर होता है, इसलिए सेना ने अनाधिकृत व्यक्तियों से सावधान रहने की अपील की है।

तीन दिवसीय संकुल स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम आयोजित

दल्लीराजहरा। तीन दिवसीय संकुल स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत फुटबॉल स्टेडियम में 16 दिसम्बर को समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष शिबू नायर व विशेष अतिथि इंटक यूनियन अध्यक्ष तिलक मानकर, हल्बा समाज से श्रीमती सोनम भूआर्य उपस्थित रहे । सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा भारत माता के तेल चित्र पर धूप , गुलाल व पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों को मंचासीन कर पुष्प गुच्छ भेंट व स्वागत गीत गा कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संबोधन में शिबू नायर ने अतिथियों , शिक्षकगण एवं आयोजन कर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को खेल के प्रति उत्साह वर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही खेल के अलावा पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कही और बताया कि नगर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों के बच्चों के द्वारा खेल में उत्कृट प्रदर्शन कर ब्लाक, जिला व प्रदेश तथा देश को सदैव गौरवान्वित किया है।

सामाजिक समरसता एवं समानता का बाबा जी का संदेश आज के समय में अधिक सार्थकः विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित बाबा गुरू घासीदास जी की जयंती समारोह एवं कुल उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरूघासीदास का सामाजिक समरसता एवं समानता का संदेश आज अधिक प्रासंगिक एवं सार्थक है।

उनके उपदेश का असर है कि छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता बनी हुई है। बाबा जी के बताये रास्ते पर चलकर छत्तीसगढ़ सरकार सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का प्रयास करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति श्री आलोक कुमार चक्रवाल ने की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुलपति द्वारा संपादित किताब 'गुरू घासीदास सतनाम पंथ के प्रवर्तक' का विमोचन भी किया। श्री साय ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र -छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा घासीदास जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने

कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद शैक्षणिक संस्थाओं के अंतर्गत गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में उनका यह पहला कार्यक्रम है। उन्होंने वृहद् स्तर पर जयंती समारोह आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। श्री साय ने कहा कि 18 वीं सदी में देश में सामाजिक भेदभाव एवं छूआछूत की भावना चरम पर थी। समाज में ऊंच-नीच की भावना गहराई तक जड़ जमाए थी। ऐसे हालात में बाबा गुरू घासीदास जी का अवतरण हुआ। उन्होंने मनखे-मनखे एक समान का उपदेश देकर सामाजिक समरसता का सूत्रपात किया। हमें गर्व है कि बाबा गुरू घासीदास जी के नाम पर पूरे देश का एकमात्र विश्वविद्यालय बिलासपुर में है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा के आशीर्वाद एवं जनता के सहयोग से छत्तीसगढ़ को और समृद्ध राज्य बनाएंगे। प्रकृति ने छत्तीसगढ़ की भूमि को उर्वरा बनाया है। यहां खनिज एवं वन संसाधनों की बहुलता है। छत्तीसगढ़ को देश का नम्बर वन राज्य बनाने के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के अन्य प्रकल्पों पर काम के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। मुख्यमंत्री ने जयंती के अवसर पर कॉलेज के एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैम्प का शुभारंभ किया। 2 सौ यूनिट ब्लड संकलन का लक्ष्य इस शिविर में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए संचालित सस्ते केन्टीन की प्रशंसा की। यहां मात्र 10 रूपये में बच्चों को भरपेट एवं गुणवत्ता पूर्ण भोजन परोसा जाता है। फिलहाल 600 बच्चे इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने घासीदास विश्वविद्यालय के केन्द्र के राजधानी में विस्तार के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने बाबा जी के संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 18 लाख आवासहीन परिवारों को मकान देने का निर्णय लिया है। ये सब लोग पिछले पांच साल से मकान को लेकर काफी परेशान थे। राज्य सरकार ने मकान देने में काफी सहानुभूति पूर्वक निर्णय लिया है। बाबा जी ने अपने संपूर्ण जीवन काल में सामाजिक समरसता बनाने और विषमता को दूर करने का काम किया। उनको सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम सब उनके बताये रास्ते पर चलकर समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को गर्व है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद श्री साय पहले दौरे पर हमारी शैक्षणिक संस्थान में आये। उन्होंने कहा कि मनखे-मनखे एक समान का बाबाजी का संदेश अभूतपूर्व है। उनके संदेशों की भावना को हमारे संविधान में भी शामिल किया गया है। जिसके कारण देश आज तरक्की के नये आयाम स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने बाबा गुरु घासीदास की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित बाबा घासीदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए गुरु बाबा से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद थे। प्रतिमा स्थल पर छात्रों ने पंथी नृत्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का स्वागत किया।

जिले में निरंतर जारी है विकसित भारत संकल्प यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का सफर बालोद जिले में निरंतर जारी है। जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम जगन्नाथपुर और घुमका तथा डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम रानीतराई रोड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' प्रचार रथ के ग्राम में आगमन होने पर महिलाओं तथा ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थलों में विभिन्न विभागों द्वारा आम जनता को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने स्टॉल भी लगाया गया था। जिसमें संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा आमजनता को योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उसका लाभ उठाने प्रेरित किया गया। कार्यक्रम स्थल में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा आमलोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयॉ भी वितरित की गई। इस अवसर पर केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

बालोद विकासखण्ड के ग्राम जगन्नाथपुर में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 92 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरीत किया गया तथा 13 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। उज्जवला योजना के अंतर्गत 07 हितग्राही को घरेलू रसोई गैस कनेक्शन का वितरण किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी यशवंत देशमुख और स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय का निर्माण कराने वाले रामविचार साहू ने अपने अनुभव भी साझा किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कृतिका साहू, जनपद सदस्य छगनलाल देशमुख, सरपंच अरूण कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। इसी प्रकार ग्राम घुमका में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 08 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरीत किया गया तथा 08 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं।

सीएम साय की घोषणाः अमरटापू धाम मेले के लिए हर साल मिलेंगे 10 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरु घासीदास की 267वीं जयंती पर अमरटापू धाम, मोतिमपुर, जिला मुंगेली में आयोजित गुरु पर्व मेला कार्यक्रम को फोन से सम्बोधित किया। उन्होंने वहां उपस्थित नागरिकों का अभिवादन करते हुए प्रदेशवासियों को गुरू घासीदास जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाने पर सभी से क्षमा मांगी।

उन्होंने इस मेला का संचालन बेहतर ढंग से करने के लिए प्रत्येक वर्ष 10 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने गुरु घासीदास के जीवन दर्शन और समरसता के संदेश का उल्लेख करते हुए सभी लोगों से बाबा गुरूघासीदास के बताए रास्ते पर चलने का आग्रह किया। गौरतलब है कि अमरटापू धाम, मोतिमपुर में सन् 1996 से प्रतिवर्ष गुरुघासी जयंती पर गुरुपर्व मेला का आयोजन होता आ रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरू घासीदास का जयकारा लगाया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरूघासी दास के आशीर्वाद से राज्य में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहे ऐसी मैं कामना करता हूं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आज यहां नहीं आ पाए लेकिन मुझे इस वादे के साथ भेजे हैं कि अगले वर्ष वे जरूर आएंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री को फोन करके लाउड स्पीकर से सभी लोगों को उनके उद्गार सुनाई। उप मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री की घोषणा के संबध में कहा कि अगले वर्ष से 10 लाख रूपए की राशि इस मेले के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के मंच पर क्षेत्रीय विधायक पुन्नूलाल मोहले, पूर्व विधायक, कार्यक्रम के संयोजक मंडल के पदाधिकारी और पद्मश्री श्रीमती उषा बारले भी कार्यक्रम में उपस्थित थी।

मुंगेली विधायक पुन्नुलाल मोहले ने बाबा गुरु दास का जयकारा लगाकर अपने सम्बोधन की शुरूआत की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समिति के पदाधिकारियों, श्रद्धालुओं, संत, महंत, सभी का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि गुरू घासीदास का जन्म गिरौदपुरी की पावन भूमि में हुआ। गुरू घासीदास ने छाता पहाड़ में कठोर तपस्या की और लोगों को सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मोवा में निकली बाबा गुरु घासीदास की शोभायात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सतनाम महिला सेवा समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी ही धूमधाम से सत्पुरुष बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मोवा से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोग शामिल हुए।

शोभायात्रा मोवा आदर्श नगर से ओवर ब्रिज से वापस आदर्श नगर पहुंची। इस मौके पर बाबा गुरु घासीदास जी की पूजा अर्चना की गई और संत समाज को प्रसाद का वितरण किया गया। शोभायात्रा में पंथी की धुन पर युवा और बच्चे जमकर झूमे।

वही महिलाओं ने भी पंथी नृत्य किया। इसके अलावा समिति लोग भी पंथी नृत्य करके बाबा जी याद किया और सभी को जयंती की बधाई दी। आदर्श नगर से निकली शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। सबसे पहले वार्ड की पार्षद विश्विदिनी पांडेय ने स्वागत किया। उन्होंने 7 सफेद ध्वज वाहक की पूजा अर्चना की । इसी तरह मोबा मुस्लिम और साहू समाज ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष लता भागवत धृतलहरे, सीमा अजीत मंजरे , शांति बंजारे, सविता देशलहरा, रामेश्वरी बंजारे, हेमलता बंजारे, लता भारद्वाज, सुकृति लहरे, यामिनी , पुस्पलता ओगरे , शांति , अमरीका कुर्रे, दमयंती, कौशल्या टंडन, प्रमिला सोनवानी, निर्मला, समारू बंजारे, सुभाष बंजारे, आनंद लहरे, सुखनंदन बंजारे, जी एल ओगारे, रघुनाथ भारतद्वाज, अजीत मांजरे, बि एल द्वद्वहद्र, शत्रुघ्न बंजारे, अश्विनी बबलू त्रिवेंद्र, यशवंत आजाद, कामता बंजारे, होम डहरिया, कृपा बांधे, ए डी देशलाहरा, सुरेश बंजारे घनश्याम , एम एल डहरिया, कन्हैया कुर्रे, सहित संत समाज के लोग शामिल हुए।

विकसित भारत संकल्प यात्राः गांव-गांव तक पहुंच रही सरकार की योजनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को उनके गांव तक मिलने लगा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ रायगढ़ जिले में भी हो गया है।

जिसके तहत आज लैलूंगा के रूपडेगा एवं घटगांव में तथा तमनार के लालपूर, मिलूपारा, हिंझर एवं खम्हरिया गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न 17 योजनाओं के संबंध में लोगों को जानकारी दी गई। सुबह 11

बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जो देर शाम तक चली। इस अवसर पर विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये थे जहां बड़ी संख्या में ग्रामवासियों को इसका लाभ मिला। यहां उपस्थित ग्रामवासियों ने अपनी जुबानी इस कार्यक्रम को बेहतर बताया। विकसित भारत संकल्प यात्रा का वैन कल 19 दिसम्बर को जिले के इन गांवों में पहुंचेगी।

जहां केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में लोगों को जानकारी दी जाएगी। इनमें धरमजयगढ़ के ग्राम-साजापाली एवं जमाबीरा, घरघोड़ा के कोसमघाट एवं पूरी, लैलूंगा के मुड़ागांव एवं कोड़ासिया, रायगढ़ के पंडरीपानी पश्चिम एवं गोपालपुर एवं तमनार विकासखण्ड के ग्राम-उरबा एवं पेलमा शामिल है।

इस यात्रा में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जीवन ज्योति बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना ग्रामीण, हर घर जल-जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित सिकलसेल, वन अधिकार पट्टा, व्यक्तिगत एवं सामूहिक वन धन विकास केन्द्र आदि योजनाओं के हितग्राही संकल्प यात्रा में शामिल कर अनुभव साझा करेंगे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

28 को कांग्रेस का स्थापना दिवस

रायपुर। आगामी 28 दिसंबर 2023 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 139 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कांग्रेसजन 28 दिसंबर 2023 गुरुवार को कांग्रेस स्थापना दिवस के रूप में मनायेंगे। कांग्रेस पार्टी एक राजनैतिक पार्टी के साथ-साथ एक विचारधारा है। देश की आजादी एवं विकास के कार्य में भाग लेने वाली विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक देश की सबसे पुरानी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस स्थापना दिवस को प्रदेश के सभी जिला, शहर, नगर एवं ब्लाक मुख्यालय सहित प्रत्येक मतदान केन्द्रों में प्रात: 09 बजे पार्टी का झंडा फहराते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस अवसर पर पार्टी के जिला एवं ब्लाक मुख्यालयों में कांग्रेस का इतिहास, विचारधारा, अतीत एवं वर्तमान की उपलब्धियां भविष्य की दृष्टि आदि विषयों पर गोष्ठियां एवं परिसंवाद कार्यक्रम कार्यक्रम कर रैली व सेमिनार का भी आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में मोर्चा संगठनों सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस पार्टी 28 दिसम्बर को कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर नागपुर में एक विशाल है तैयार हम राष्ट्रीय स्तर की रैली आयोजित कर रही है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष, कांग्रेस संसदीय दल के अध्यक्ष पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, सांसद, विधायक मोर्चा संगठन प्रकोष्ठ विभाग के प्रदेश अध्यक्ष 28 दिसंबर 2023 को दोपहर 2 बजे, नागपुर में आयोजित विशाल राष्ट्रीय रैली में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हेलीपैड पर जोशीला स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बिलासपुर पहुंचने पर हेलीपैड में आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद श्री साय का पहला बिलासपुर दौरा है। श्री साय गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्माभी साथ में आए। उनका भी जोरदार स्वागत किया गया। केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित हेलीपैड पर प्रमुख रूप से कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला,महापौर रामशरण यादव, पूर्व विधायक रजनीश सिंह,कमिश्नर केडी कुंजाम, आईजी अजय यादव,कलेक्टर अवनीश शरण, एसपी संतोष सिंह, रामदेव कुमावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने गुलदस्ता भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। केंद्रीय विश्वविद्यालय के युवाओं ने भी गाजे बाजे के साथ मुख्यमंत्री का उत्साहपूर्ण स्वागत किया।

31 को पं. रविशंकर शुक्ल की पुण्यतिथि

रायपुर। मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी पं. रविशंकर शुक्ल जी के पुण्यतिथि 31 दिसंबर 2023 रविवार को प्रदेश के समस्त जिला, शहर, नगर एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी मुख्यालयों में श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाया जायेगा।

स्व. मोतीलाल वोरा की 20 को जयंती एवं 21को पुण्यतिथि मनाई जायेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के द्वारा अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्व. मोतीलाल वोरा की 20 दिसंबर को जयंती एवं 21 दिसंबर को पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

बाबा के बताए रास्ते पर चलकर ही समाज-राष्ट्र का विकास संभवः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंगेली जिले के लालपुर धाम में आयोजित गुरू घासीदास जयंती एवं तीन दिवसीय मेला कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां गुरू घासीदास मंदिर एवं जैतखाम में पूजा-अर्चना कर राज्य की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए बाबा का आशीर्वाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री साय का कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पंथी नर्तक दल द्वारा पंथी नृत्य के माध्यम से भव्य स्वागत किया गया। वहीं सतनामी कल्याण समिति बंधवा लालपुर के पदाधिकारीगण और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्प माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाबा के बताये सत्य के रास्ते पर चलकर छत्तीसगढ़ सरकार हमारे पुरखों और महापुरूषों के खुशहाल छत्तीसगढ़ के सपने को साकार करेगी। उन्होंने गुरु घासीदास जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरू घासीदास का संदेश आज के संदर्भ में और भी ज्यादा प्रासंगिक है। बाबा ने उस समय के समाज में प्रचलित ऊंच-नीच, भेद-भाव, छूआछूत का प्रबल विरोध किया। मनखे-मनखे एक समान का उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि आपसी मतभेद से नहीं बल्कि सामाजिक समरसता से ही समाज एवं देश का विकास होता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार जयंती समारोह में शामिल होने का मौका मिला है। गुरु घासीदास का जन्म 18वीं सदी में छत्तीसगढ़ की धरती में हुआ था। बाबा ने पूरे विश्व को मनखे-मनखे एक समान का नारा दिया। उन्होंने कहा कि हम हर साल 18 दिसंबर को गुरु घासीदास की जयंती मनाते है। गुरु घासीदास का ही आशीर्वाद है, कि मुझ जैसे एक छोटे से किसान को सीएम का दायित्व मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादों के अनुरूप हमने शपथ के दूसरे दिन प्रदेश के 18 लाख लोगों को आवास देने का फैसला किया। किसानों का धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। महिलाओं को 12 हजार रूपए सालाना एवं उज्ज्वला योजना के तहत हितग्राहियों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बाबा के आशीर्वाद से राज्य में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहे ऐसी मैं कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की पहले केबिनेट बैठक में 18 लाख लोगों का आवास स्वीकृत किया गया। विधानसभा क्षेत्र मुंगेली के विधायक पुन्नूलाल मोहले ने भी गुरु घासीदास जयंती की शुभकामनाएं देते मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के प्रथम बार लालपुर आगमन पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने गुरु घासीदास के उपदेशों को आत्मसात् करने, नशे से दूर रहने तथा आपसी भाईचारा और सद्भाव से रहने की बात कही। इस अवसर पर पूर्व सांसद लखन लाल साहू, पूर्व विधायक तोखन साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर राहुल देव, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक कोमल गिरी गोस्वामी, फगीश्वर पाटले सहित श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

21 जनवरी को भगवान राम की भव्य शोभायात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । अयोध्या में नवनिर्मित हो रहे श्रीराम मंदिर की जनवरी 2024 में होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा के पहले पूरे छत्तीसगढ़ में भगवान राम की भव्य शोभायात्रा निकालने की योजना बनी है। इसी संदर्भ में सोमवार को श्रीराम मंदिर मार्ग स्थित राम मंदिर के सभागृह में एक बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष बृजलाल लाल गोयल, सुनील रामदास तथा राजेन्द्र ने की। इस बैठक में मुख्य पुजारी हनुमंतजी ने बताया कि समस्त हिन्दू समाज द्वारा आगामी 21 जनवरी 2024 को दोपहर 3 बजे तेलीबांधा तालाब से श्री राम मंदिर मार्ग होते हुए राम मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। इस दौरान पूजा अर्चना और भंडारा भी आयोजित किया जायेगा। बैठक में धर्म जागरण विभाग के प्रमुख राजेन्द्र ने मार्गदर्शन किया तथा कई व्यवस्थाओं के लिए प्रमुख तय किए गए।

ट्रस्ट के ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील रामदास ने बताया कि अयोध्या में नवनिर्मित हो रहे श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पहले रायपुर के नागरिकों द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें सभी संतों, समाज के प्रमुखों तथा नागरिकों को आमंत्रित किया जायेगा। शोभायात्रा तेलीबांधा मेरिन ड्राइव से शुरू होकर श्रीराम मंदिर मार्ग में खत्म होगी। इस अवसर पर भजन और भंडारा भी आयोजित किया जायेगा। बैठक में बृजलाल लाल गोयल, राजेन्द्रजी, सुनीलराम दास, पुष्पेंद्र, विवेक, मनमोहन चावला, विधायक मोतीलाल, योगेश अग्रवाल, अमर बंसल, गोविन्द अग्रवाल, वी के सिंग, विक्रम केवलानी, सत्यनारायण मित्तल, मनोज गोयल इत्यादि कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

कांग्रेस ने की क्राउडफंडिंग अभियान डोनेट फॉर देश की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस पार्टी चंदा जुटाने के लिए क्राउड फंडिंग अभियान की शुरुआत किया है। कांग्रेस ने इस अभियान का नाम 'डोनेट फॉर देश' रखा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के 138 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी देशवासियों से 138 रुपये के गुणक (जैसे, 138 रुपये, 1,380 रुपये, 13,800 रुपये, या अधिक) दान करने के लिए अनुरोध करती है, ताकि कांग्रेस पार्टी एक बेहतर भारत के लिए काम कर सके।

कांग्रेस ने इस ऑनलाइन क्राउडफंडिंग के लिए दो चैनल बनाए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि यह पहल 1920-21 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज फंड से प्रेरित है और इसका उद्देश्य समान संसाधन वितरण और अवसरों से समृद्ध भारत बनाने में हमारी पार्टी को सशक्त बनाना है। दीपक बैज ने कहा कि यह अभियान मुख्य रूप से कांग्रेस के स्थापना दिवस 28 दिसंबर तक ऑनलाइन होगा, जिसके बाद यह अभियान जमीनी अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत पार्टी से जुड़े स्वयंसेवी घर-घर जाएंगे और प्रत्येक बूथ में कम से कम 10 घरों को लक्षित करके हर घर से कम से कम 138 रुपये का अंशदान सुनिश्चित करेंगे।

जेल में बंद हर महिला कैदी और उनके बच्चों तक खुशियां पहुंचनी चाहिए : जस्टिस भादुड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और खुशी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 17 व 18 दिसम्बर को केन्द्रीय जेल, रायपुर में निरूद्ध महिला बंदियों और उनके बच्चों के उत्थान के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, न्यायमूर्ति, च्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर, अतिथि डॉ. व्ही.सी. विवेकानंदन, कुलपति, हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नवा रायपुर एवं अध्यक्षता श्रीमती हमीदा सिद्दीकी, संस्थापक, खुशी फाउन्डेशन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

समापन सत्र में न्यायमूर्ति के अलावा अब्दुल ज़ाहिद कुरैशी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायपुर, हेमंत सराफ, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रायपुर, आनंद प्रकाश वारियाल, सदस्य सचिव, छ0ग0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर, दिग्विजय सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट, रायपुर, गिरिश कुमार मंडावी, उप सचिव, छ0ग0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर, प्रवीण मिश्रा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर, एस.एस. तिग्गा, जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल, रायपुर एवं श्रीमती मधु सिंह, जेल अधीक्षिका, केन्द्रीय जेल महिला प्रकोष्ठ, रायपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन खुशी फाउन्डेशन की ओर से श्रीमती केसर सिद्दीकी द्वारा किया गया एवं उनके द्वारा उक्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी न्यायाधीशगण, पुलिस विभाग, पैरालीगल वॉलेन्टियर्स एवं महिला बंदियों व प्राधिकरण परिवार के साथ खुशी फाउण्डेशन के सदस्यगण का अभिनंदन किया गया।

इस कार्यक्रम में विधि छात्रों ने साइबर क्राइम पर एक नुक्कड़ नाटक कर आज कल होने वाले ओ.टी.पी. शेयर कर बैंक खाता फ्रॉड केस, मोबाइल हैक, स्कैम, फोटो वायरल सोशल मीडिया में हाने एवं ए.आई का दुरूपयोग से रोकने संबंधी नाटक कर अपना ध्यान आकृष्ट किया और इससे बचने के तरीके बताये। किसी भी प्रकार के प्रलोभन से बचने के लिए जागरूक किया गया। केन्द्रीय जेल महिला प्रकोष्ठ में निरूद्ध महिला बंदियों के छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। महिला बंदियों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुत की, जिस पर न्यायमूर्ति द्वारा उनको सम्मान भी प्रदान किया गया।

न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी ने बताया कि जो साइबर क्राइम पर जो नुक्कड़ नाटक पेश किया है उसके माध्यम से हम ही नहीं पूरा प्रदेश और देश जागरूक होगा क्योंकि छोटे छोटे प्रलोभनों में आकर कोई भी व्यक्ति साइबर क्राइम का शिकार हो सकता है। इसीलिए साइबर क्राइम से बचने के लिए उक्त क्राइम की जानकारी रखते हुए सतर्क रहें।

उन्होंने कहा कि खुशी प्रोजेक्ट क्या है? आपको लग रहा होगा इससे किसी को कुछ मिलना नहीं है। परन्तु किसी को खुशी बांटकर अगर संतुष्टि मिले तो बहुत सुकून मिला है। आपसे कोई ऐसी घटना हो गई होगी, जिसके कारण आज यहां जेल के अंदर हैं और आपको कुछ समय यहां बिताना है। परन्तु यह आखिरी पड़ाव नहीं है ना ही जिंदगी का अंत है। मैनें महसूस किया है कि अपराध कभी कभी परिस्थितिवश हो जाता है। परंतु न्यायपालिका एवं सामाजिक संस्थाओं का आपके प्रति उत्तरदायित्व समाप्त नहीं होता है। और हम सब मिलकर आपके समग्र विकास एवं मूलधारा में लाने के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम हमेशा आपके साथ हैं और उस साथ का ही परिणाम है कि आपके लिए राज्य एवं जिला व तालुका स्तर पर प्राधिकरण कार्य कर रहा है जिससे आपकी कानूनी समस्याओं का नि:शुल्क सेवाओं के माध्यम से निराकरण किया जा सके और आपको कानूनी राहत प्राधिकरणों के माध्यम से जिला स्तर से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक प्राप्त हो सके। न्यायमूर्ति ने भाव विभोर होकर कहा कि आप और आपके बच्चों का इस कार्यक्रम में उत्साह देखकर मैंने हृदय से महसूस किया है कि आप सभी में कुछ न कुछ ईश्वर के माध्यम से कला विद्यमान है, जिसको मैंने आज खुशी कार्यक्रम के माध्यम से देखा तथा महसूस किया है। कार्यक्रम के दौरान न्यायमूर्ति ने महिला बंदियों द्वारा बनाई गई रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता व कठपुतली कार्यक्रम और जेल का भी निरीक्षण किया और बंदियों द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट स्वल्पाहार का भी आनंद लिया। उन बच्चों के चेहरे पर दिखी जो आज खुशी वो हमारे देश की तरक्की की खुशी बनेगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अकेलापन
दूर करने के 3 तरीके

अकेलेपन को समझना आसान नहीं है। किसी के पास रिश्तों का अभाव है तो कोई सबके साथ होते हुए भी अकेला महसूस करता है। कारण कोई भी हो तन और मन के स्तर पर इसका बुरा असर पड़ता है। हार्वर्ड हेल्थ लेटर में एग्जीक्यूटिव एडिटर हेडी गॉडमैन कहती हैं, 'लोगों की मौजूदगी हर अकेलेपन को दूर नहीं कर सकती। रिश्तों के बावजूद जो अकेलापन होता है, उसके लिए टॉक थेरेपी व खुद के भीतर झांकने की जरूरत होती है। वहीं नए मित्र बनाने की बात हो तो आपको बाहर की ओर यात्रा करनी पड़ती है।' हेडी के अनुसार ये तीन तरीके इसमें मदद कर सकते हैं।

1. अपनी पसंद व सोच से मिलते-जुलते लोगों या उन गतिविधियों के समूह से जुड़ें। समूह के कार्यक्रमों में नियमित भाग लें। जब दिमाग सामाजिक गतिविधियों में शामिल होता है, तब सभी पांचों इंद्रियां सक्रिय होती हैं।
2. अगर दूसरों का समूह आकर्षित नहीं कर रहा है तो आप अपने स्तर पर कुछ पहले करें। यह कुछ भी हो सकता है, कुछ नया बनाना, सीखना, कविता व कहानी पाठ, घूमना, कुकिंग, खेल प्रतियोगिता, ध्यान व व्यायाम आदि। जरूरी नहीं है कि अपने दोस्तों से ही जुड़ें, आप नए लोगों को भी शामिल कर सकते हैं।
3. अपनी सोशल स्किल्स बढ़ाएं। बातचीत की पहल करें। गतिविधियों में उत्साह से भाग लें। दूसरों को देखकर मुस्कराएं, उनके पसंद के विषयों पर बात करें। दूसरों को सुनें, उनसे राय मांगें व साथ योजना बनाएं।

सबसे ऊंचा है कृतज्ञता का भाव

जो है, उसमें हम खुश नहीं हैं। जो हमें चाहिए, वो फिलहाल पास नहीं है। सारी लड़ाई और चिंता ही 'क्या है और क्या होना चाहिए' के बीच की है।

ऊपरी कृतज्ञता के अनेक प्रकार हैं, लेकिन हम उनके विषय में चर्चा नहीं कर रहे हैं। हम गहन कृतज्ञता की बात कर रहे हैं। असल में, किसी और को अपने से ज्यादा खराब स्थिति में देखकर खुद को तसल्ली देना भी कभी-कभी कृतज्ञता का जरिया बन जाता है। लोग कहते हैं, 'ओह! मुझे वास्तव में शुक्र मनाना चाहिए क्योंकि सामने वाला व्यक्ति मुझसे कहीं ज्यादा खराब स्थिति में है।' लेकिन वास्तव में यह कृतज्ञता नहीं है, यह तुलना से आया भाव है।

वास्तविक कृतज्ञता किसी ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से नहीं आती, जहां आपको बताना पड़े कि आपको कृतज्ञ महसूस क्यों करना चाहिए। क्योंकि वह कृतज्ञता का दिखावा मात्र होता है, जिसका संबंध अभिमान से जुड़ा है। कृतज्ञता के मूल भाव से ज्यादा मौलिक प्रशंसा की भावना है। बात यह नहीं है कि आप स्वयं को क्या समझा रहे हैं। बल्कि, यह वो अहसास है, जो आप वर्तमान में इसी समय महसूस कर रहे हैं।

प्रशंसा शब्द के सही मायने

अकसर लोग मुझे पूछते हैं कि जीवन के प्रति प्रशंसा भाव से मेरा क्या मतलब है? 'प्रशंसा' से मेरा आशय इस बात को महसूस करना है कि आपके चारों ओर की दुनिया कितनी सजग और सजीव है तथा आप भी इसी जिंदादिली की हिस्सा हैं। यह बाहरी सजगता है, जो आपकी आस-पास के माहौल, अन्य लोगों और प्रकृति के संपर्क में आकर महसूस होती है और आप भी इसका हिस्सा बन जाते हैं। ऐसा हो जाने पर अहसास आता है कि 'जिंदा रहना वाकई बहुत बढ़िया अनुभव है।' तब आप जीवन के विभिन्न आयामों की सराहना करने लगते हैं और जबरदस्ती अपनी धारणा बनाना बंद कर देते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आप जान चुके होते हैं कि जीवन परिवर्तनशील है, इस पल आप यहां हैं, लेकिन अगले ही पल कहीं और होंगे। यानी चेतना का यह बेहद गूढ़ अहसास है,जिसके होने पर आप अपने जीवन की हर चीज की सराहना करते हैं।

यहां 'जीवन' से अभिप्राय 'वर्तमान' है। जो आपके वर्तमान में मौजूद नहीं है, वह सिर्फ आपके दिमाग की उपज है, यथार्थ नहीं है। आपने अपनी और अपने जीवन की एक छवि बना ली है, जिसे आप जीवन समझने की गलती कर रहे हैं। मौलिक रूप से आपके साथ जो वर्तमान में घट रहा है, वही आपका जीवन है। प्रशंसा और कृतज्ञता के भाव के साथ आप अपने भीतर और बाहर की दुनिया के साथ एकरूपता का अनुभव कर सकते हैं। फिर बिना जाने किसी मुद्दे पर अपनी राय बना लेने और लोगों के बारे में नाहक बहुत ज्यादा सोच कर विरक्ति का अहसास नहीं होता, क्योंकि तब इन बातों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। यह सभी कृतज्ञता के मौलिक पक्ष हैं। सहजता से स्वीकारने से कृतज्ञता का भाव स्वत आने लगता है। इनकार या अस्वीकार की संभावना खत्म हो जाती है। हमारे दिमाग का वास्तविकता से टकराव नहीं होता है।

घटनाओं में अटकना छोड़ें

वास्तव में सबसे यादा पीड़ादायक और कष्टप्रद स्थिति ही वह होती है, जब दिमाग में क्या है और क्या होना चाहिए के बीच झंझावात चलता रहता है। यही पागलपन की जड़ है। जब ऐसे भाव हावी हो जाते हैं तो जीवन में कृतज्ञता महसूस करने के लिए स्थान ही नहीं बचता है। कुछ बुरा होने पर कृतज्ञता का भाव बनाए रखना कठिन हो जाता है। बेहतर होगा कि उसे भूलने का प्रयास करते हुए आगे बढ़ने के बारे में सोचा जाए। यदि आप स्वयं को उस कष्टदाई स्थिति को स्वीकारते हुए आगे बढ़ने के बारे में सोच पाते हैं तो कृतज्ञता के उस मूल भाव को प्राप्त कर सकते हैं, जो आपके भीतर है। तब आपके चारों ओर घटने वाली घटनाएं आपको प्रभावित नहीं कर पाएंगी। अंतर्मन पूरी तरह चेतन हो जाएगा। बाहरी दुनिया संग तालमेल बनाना सीख जाता है।

यदि कभी कुछ बुरा घटे, उसे नकारने की बजाय स्वीकार करें। इसका अर्थ यह नहीं है कि आप कष्टदाई घटना के प्रति कृतज्ञता जाहिर करना शुरू कर दें। बल्कि इसका अर्थ यह है कि आप उस अहसास के प्रति शुक्रिया अदा करें जो तमाम बुरे अनुभवों के बावजूद आपको स्थिर रखे हुए है। आपको भरोसा दिला रहा है कि

> कृतज्ञता का भाव बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें आपका जीवन बदल देने की शक्ति है। यदि जीवन के प्रति धन्यवाद कहने का भाव आपके भीतर आ जाता है तो आप आसानी से समझ सकते हैं कि रोजमर्रा के जीवन में ही कितना कुछ होता है, जिसके लिए हमें धन्यवाद कहना चाहिए।

इस घड़ी के निकल जाने के बाद आगे शांति ही शांति है। इससे आपके अंतर्मन को सुकून का अहसास होगा क्योंकि आपको अपनी संवेदनाओं के साथ लड़ना नहीं पड़ेगा।

प्रत्येक व्यक्ति को इस बात की पुष्टि स्वयं करनी पड़ती है कि वह किस अवसर पर किन चीजों के लिए कृतज्ञता का भाव जाहिर कर सकता है। भाव यह है कि शारीरिक रूप से मौजूद रहने की बजाय अपनी चेतना को भी वर्तमान से जोड़ें। क्योंकि, वर्तमान में रहने से जिस आनंद की प्राप्ति होती है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता और वास्तव में कृतज्ञता ही सर्वोच्च भाव है।

eckharttolle.com

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को होता है शराब से ज्यादा नुकसान! रिसर्च में खुलासा

शराब पीना किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं हो सकता है चाहे वह आदमी हो या औरत। लेकिन हालिया रिसर्च में औरतों के शराब पीने को लेकर अजीबोगरीब खुलासा हुआ है। इस रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि लिंग के आधार पर भी शराब का असर पड़ता है। शराब पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए काफी ज्यादा हानिकारक होती है। नेशनल सेंटर ऑफ डिजिज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में शराब पीने से काफी ज्यादा खतरनाक असर पड़ता है।

बायोलॉकिल डिफरेंसेस

हार्वर्ड हेल्थ में पब्लिशिंग एक रिपोर्ट के मुताबिक शराब का खतरनाक असर महिलाओं पर ज्यादा पड़ता है। इसके पीछे का कारण यह है कि महिलाओं में आमतौर पर पुरुषों की तुलना में शरीर में फैट काफी ज्यादा होता है। वहीं पानी की मात्रा कम होती है। चूंकि अल्कोहल पानी में आराम से घुल जाता है और इसे पतला करने के लिए महिलाओं के शरीर में पानी की मात्रा कम होती है। पुरुषों के मुकाबले शरीर का वजन जल्दी बढ़ जाता है। ब्लड में अल्कोहल की मात्रा अधिक बढ़ जाती है। इसलिए औरतों को ज्यादा अल्कोहल नहीं पीना चाहिए. क्योंकि महिलाओं को ड्रिंक करते ही तुरंत नशा होने लगता है।

एंजाइमेटिक कारण

महिलाओं को अल्कोहल पचाने में काफी ज्यादा दिक्कत होती है. महिलाओं में शराब धीरे-धीरे पचती है। जिसके कारण शराब उनके सिस्टम में काफी लंबे वक्त तक रहता है. जिसके कारण वह पेट पर गंभीर असर डालता है।

लिवर खराब होने का खतरा बढ़ जाता है

लगातार शराब पीने से लीवर खराब हो सकता है और पुरुषों की तुलना में महिला का लिवर ज्यादा सेंसिटिव होता है. महिलाओं में अल्कोहलिक लिवर की बीमारी अधिक तेजी से फैलती है। यह ज्यादा शराब पीने से होता है। यह महिलाओं को सिरोसिस और शराब से होने वाली खतरनाक नुकसान के कारण होता है। मासिक धर्म चक्र के दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव महिलाओं की शराब के प्रति प्रतिक्रिया को प्रभावित कर सकता है। महिलाओं को अपने मासिक धर्म चक्र के कुछ चरणों के दौरान बढ़ी हुई संवेदनशीलता और बढ़ी हुई हानि का अनुभव हो सकता है। महिलाओं के लिए शराब की खपत को नियंत्रित करने के लिए इन हार्मोनल प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है।

ब्रेस्ट कैंसर का खतरा

रिपोर्ट के अनुसार शोध शराब के सेवन और स्तन कैंसर के बढ़ते खतरे के बीच संबंध का सुझाव देता है। जो महिलाएं कम मात्रा में शराब का सेवन करती हैं। उनमें स्तन कैंसर होने की संभावना अधिक हो सकती है। यह जोखिम एक चिंताजनक पहलू है जो शराब से संबंधित स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में महिलाओं के बीच जागरूकता की आवश्यकता पर जोर देता है।

मेंटल हेल्थ पर डालता है बुरा असर

महिलाएं शराब के सेवन से जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुझती है, जिनमें अवसाद और चिंता भी शामिल हैं। मानसिक स्वास्थ्य और शराब के सेवन की परस्पर जुड़ी प्रकृति दोनों पहलुओं को व्यापक रूप से संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

बाजार में बढ़त ले रहीं स्मार्ट कारें

अब आपकी कार सिर्फएक जगह से दूसरी जगह जाने का काम ही अंजाम नहीं देती। ये सावधानी के अलर्ट भेजती है, संवाद करती है और ड्राइविंग की सलाह भी देती है। कनेक्टेड कार या कहें स्मार्टकारों का चलन भारत में बढ़ रहा है। बता रही हैं श्रुति भट्ट

अगर कहा जाए कि तकनीक की वजह से ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में क्रांति आ गई है, तो गलत नहीं होगा। शानदार तकनीक के कारण इनका आकर्षण युवाओं में खूब बढ़ रहा है। इन कारों पर खरीदारों को कुछ वित्तीय लाभ भी होते हैं।

एडीएएस से कैसे है अलग

दरअसल एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) कारों और कनेक्टेड कारों की तकनीक एक-दूसरे से काफी तालमेल में होती है। एडीएएस कारों का मुख्य फोकस सुरक्षा प्रदान करने वाली तकनीक पर होता है, जैसे सेंसर्स, कैमरा, राडार आदि। वहीं कनेक्टेड कारें कम्यूनिकेशन और जानकारी के आदान-प्रदान की तकनीक से लैस होती है। इसीलिए इसमें नेटवर्क होना आवश्यक होता है, जबकि एडीएएस यानी एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए जरूरी नहीं कि इंटरनेट हो। इसीलिए कनेक्टेड कारों में आपको चोरी का अलर्ट, टोइंग का अलर्ट, रिमोट लॉक, जियो फेंसिंग, लोकेशन शेयरिंग जैसे फीचर्स मिलते हैं। भारत में मौजूद कारों में फिलहाल ये फीचर ही मिल रहे हैं।

क्या मिलेंगे फीचर्स

कनेक्टेड कार की तकनीक से न केवल ड्राइविंग का अनुभव बेहतर होता है, बल्कि सुरक्षित इंटरनेट एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर भी

क्या हैं कनेक्टेड कारें

सामान्य भाषा में कहें तो कनेक्टेड कारें ऐसा वाहन होती हैं, जिनमें लगी सॉफ्टवेयर या तकनीक के कारण वे आपके गैजेट से संवाद करने में सक्षम होती हैं। भारत में अभी आरंभिक स्तर की ही कनेक्टेड कारें ज्यादा उपलब्ध हैं। ऐसी गाड़ी कार के अंदर या बाहर लगे डिवाइस के जरिए इंटरनेट शेयर करती है और जानकारी साझा करती है। एंबेडेड सिम के साथ पूरी तरह कनेक्टेड कार के तौर पर 2019 में हुंडई वेन्यू लॉन्च की गई थी। कनेक्टेड कार की चाहत इस बात से पता चलती है कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित ब्लूलिंक टेक्नोलॉजी अब इसकी 80 फीसदी कारों में मौजूद है, जिसमें नई एक्सटर भी शामिल है। वहीं होंडा सिटी की 95 फीसदी सेल कनेक्टेड होते हैं। जैसे कि इंटरनेट कनेक्टिविटी।

- **कार कनेक्टिविटी के ऐप**- कार निर्माता कंपनियां वायरलेस नेटवर्क के जरिए वाहनों को स्मार्टफोन ऐप से भी जोड़ रही हैं। ये ऐप कार के कई काम, जैसे दरवाजे खोलना या लॉक करना, सनरूफ खोलना, इंजन स्टार्ट या बंद करना, कार के अंदर क्लाइमेट कंट्रोल, हेडलाइट ऑन या ऑफ या हॉर्न बजाने को स्मार्टफोन के माध्यम से भी नियंत्रित करना संभव होता है। यह ऐप कार में लगे जीपीएस के जरिए कार को ढूंढ़ने में भी मदद करते हैं।
- **नए चालकों के लिए सुविधाजनक**- इंटरनेट से लैस कारों में जियो फेंसिंग नाम का महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर भी होता है। अगर आसान शब्दों में कहा जाए, तो यह चालकों के लिए मैप पर एक भौगोलिक सीमा बनाकर देता है और कार चालक अगर इस सीमा से बाहर जाता है, तो उसे तुरंत सचेत करता है। इस सुविधा को स्मार्टफोन ऐप के जरिए सेट किया जाता है। खासतौर पर यह ऐप उस स्थिति में ज्यादा उपयोगी हो जाता है, जब आप किसी नई लोकेशन पर हों या कोई नया और रास्तों से अनजान व्यक्ति कार चला रहा होता है।
- **हर गाड़ी के साथ संपर्क**- अगर सड़क पर चल रहे वाहनों में आपस में संपर्क रहे, तो दुर्घटना होने की आशंका काफी हद तक कम हो सकती है। इतना ही नहीं, सड़क जाम या खराब सड़क की जानकारी भी दूसरे वाहनों के चालकों को भी मिलती रहेगी। ऐसा संभव है, वी2वी तकनीक से। यह तकनीक खासतौर पर ऑटोमैटिक वाहनों के लिए ज्यादा उपयोगी हो सकती है। ऐसी तकनीक से सड़कों पर दुर्घटना की आशंका भी कम हो जाती है।
- **सुरक्षा भी मिलती है**- कनेक्टेड वाहनों में मुश्किल समय में काम आने वाले सिक्योरिटी फीचर जैसे रियल टाइम लोकेशन शेयरिंग या ट्रैकिंग, दुर्घटना के समय इमरजेंसी कॉल करने की सुविधा, गाड़ी खराब होने की स्थिति में सड़क पर मदद मंगवाने की सुविधा आदि होते हैं। गाड़ी में मौजूद सिक्योरिटी फीचर्स के अलावा इस तरह के फीचर्स निश्चित रूप से काम के होते हैं।

5जी ने दी और बढ़त

मौजूदा समय में 5जी के आने के बाद से कनेक्टेड कार तकनीक को और सपोर्ट मिला है। इसमें बेहतर इंटरनेट की स्पीड तो मिलती ही है, साथ ही डाटा भी ज्यादा मिल रहा है। इससे स्मार्टफोन के ऐप भी तेजी से काम करेंगे और कार से दूसरी कारों तक के कम्यूनिकेशन की सुविधा को भी और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। फ्रॉस्ट और सुलिवन की रिपोर्ट की मानें, तो 2026 तक कुल वाहनों में 5जी से लैस वाहनों की संख्या 70 फीसदी तक पहुंच जाएगी। कोई आश्चर्य नहीं कि जल्द ही हमें ड्राइवरलेस कारें सड़कों पर आम दौड़ती मिलें।

कौन सी हैं ऐसी कारें

भारत के बाजार में फिलहाल लॉन्च होने वाली अधिकतर कारें कनेक्टेड कार हैं। ये तकनीक प्रीमियम रेंज की कारों में तो निश्चित रूप से मिल रही है। वहीं सभी नई एसयूवी और अधिकतर कॉम्पैक्ट एसयूवी में भी मिलेगी। आइए जानते हैं।

- टाटा मोटर्स- टाटा नेक्सन में कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी आईआरए 2.0 मिलती है। सफारी, हैरियर, नेक्सन, टिगोर आदि लगभग सभी मॉडल में मिलेगा।
- महिंद्रा ऐंड महिंद्रा- स्कॉर्पियो एन, थार, एक्सयूवी 700, एक्सयूवी 300 में कनेक्टेड कार फीचर्स मिल रहे हैं।
- एमजी- एमजी की हेक्टर, ग्लोस्टर इस तरह की कार हैं। एमजी की कॉमेट ईवी में कनेक्टेड कार फीचर के लिए जियो के साझेदारी की गई है। हेक्टर में आई-स्मार्ट तकनीक का प्रयोग किया गया है।
- टोयोटा- नई टोयोटा फॉर्चूनर में जियो फेंसिंग, रियलटाइम व्हीकल ट्रेकिंग, वॉक टु कार जैसे कई फीचर्स मिलेंगे।
- किआ- 2019 में लॉन्च हुई किआ सेल्टोस कार यूवीओ तकनीक आधारित किआ कनेक्ट फीचर के साथ आती है।
- हुंडई- वेन्यू, आई20 एन लाइन, वरना, ऑरा, क्रेटा आदि कनेक्टेड कारें हैं। हुंडई की इस तकनीक का नाम ब्लू लिंक है। वेन्यू डीजल एवं पेट्रोल दोनों विकल्पों में मौजूद है।
- मारुति सुजुकी- मारुति सुजुकी की बलेनो, एक्स एल6, सियाज, ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, फ्रॉन्क्स आदि।

इसके साथ ही होंडा की नई सिटी, फ्रेंच कार ब्रांड की सिट्रिऑन में भी इस तकनीक की पेशकश मिलेगी।

निसान अपनी कारों में निसान कनेक्ट स्मार्ट फीचर का इस्तेमाल कर रहा है। जैसे निसान किक्स।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बंद मार्ग खुलेगा : बृजमोहन ने दिए चांदनी चौक-बूढ़ा तालाब मार्ग खोलने के निर्देश

रायपुर। भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने चांदनी चौक से बूढ़ा तालाब मार्ग को खोलने के लिए कलेक्टर को निर्देश दिए हैं। शनिवार को बृजमोहन अग्रवाल ने कलेक्टर के साथ बूढ़ा तालाब परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कहा, ये देश में एक मात्र अजूबा है। नई रोड बनाने की बजाय पुरानी रोड को बंद कर दी गई। 10,000 बच्चे दानी स्कूल, हॉस्टल कालीबाड़ी के बच्चे इस रोड से अपने घर जाते थे। इसके लिए इस रोड को चालू करने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। कलेक्टर और संबंधित अधिकारों को इस रोड को फिर से चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक बृजमोहन ने कहा, दानी स्कूल, डिग्री गर्ल्स स्कूल, चांदनी चौक की तरफ बंद गेट को खोला जाएगा। बैरिकेड लगाकर ओपन किया जाएगा, बाकी एरिया में डेवलपमेंट करना है। डिग्री गर्ल्स कॉलेज के दीवार से लई हुई चौपाटी नहीं बनाई जाएगी, जो बनाएंगे वह पीछे बनाया जाए। 15 दिन के अंदर यह सड़क चालू हो जाना चाहिए। स्मार्ट सिटी के साथ बैठकर समीक्षा करेंगे।

मीलचाल राम मंदिर में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान की बैठक संपन्न

राजनांदगांव । श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान को लेकर मीलचाल वार्ड के राम मंदिर में बैठक संपन्न हुई। संयोजक योगेश बागड़ी ने कहा कि 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर की स्थापना हो रही है उस दिन सभी मंदिरों की साफसफाई हो और प्रत्येक हिंदू परिवार अपने घरों में 11 दिए जलाएं पटाखे फोड़ तोरण लगाए उस दिन दीपावली मनाना है और एलईडी के माध्यम से लाइव टेलीकास्ट दिखाना है। सह-संयोजक कमल सोनी ने कहा कि श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान में आप सबका योगदान रहेगा। उसमें आप सभी को आमंत्रण पत्र, अक्षित किया हुआ चावल और राम जी की फोटो भी शामिल है। जिसे प्रत्येक हिंदू सनातन परिवार के घर-घर तक पहुंचाना है। यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है जिसमें आप सभी का सहयोग लगेगा। क्योंकि 500 वर्षों के बाद कितनी पीढ़ी निकल गई है यह हमारा सौभाग्य है जो हम सभी को देखने मिलेगा।
सुनील बाजपेयी और छाया तिवारी को बस्ती संरक्षक बनाया गया सुनील बाजपेयी ने अपना अनुभव बताया की 6 दिसंबर 1992 में कार सेवक के रूप में अयोध्या गया था यह मेरा सौभाग्य है कि आज जो की राम मंदिर का निर्माण होते भी देख रहा हूं यह सब के लिए सौभाग्य की बात है। बैठक में कमेटी का गठन किया गया जिसमें बस्ती का संयोजक प्रमोद जांगड़े और सहसंयोजक राजकुमार सिंह को बनाया गया सदस्य सुश्री उन्नति तिवारी, रोहन यादव, सुंदर पोद्दार, रमेश सिंह, कन्हैया विश्वकर्मा, मधुसूदन सिंह, लक्ष्मी शर्मा, चंदा यादव, विवेक शर्मा, चंदन सिंह, अजय श्रीवास्तव, दीपेश सोनी, सदस्य गण में रोहित यादव, नीलकंठ चंद्राकर, प्रदीप अवधनकर और स्वाति दुबे आदि शामिल है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार ने किया रेल विकास कार्यों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार ने रायपुर रेल मंडल में रेल विकास कार्यों संरक्षा सम्बन्धी कार्यों एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया । महाप्रबंधक के साथ सभी विभागाध्यक्ष , मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार तथा मुख्यालय व मंडल के अधिकारी एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण यान द्वारा रायपुर रेल मंडल का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होने पटरियों, सिग्नल इंटरलाकिंग प्वांइट्स, समपार फाटकों आदि के संरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने इस खंड पर स्थित रेलवे स्टेशनों में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की । इस संरक्षा निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम महाप्रबंधक ने दगोरी - निपनिया रेलखंड पर बने शिवनाथ ब्रिज 462अप) निपनिया - भाटापारा के मध्य कर्व नं 11 एवं माइनर ब्रिज 456 का निरीक्षण कर गर्डर, ट्रैक सहित सभी पैरामीटर का अवलोकन किए । साथ ही कर्व व सेज का संरक्षा निरीक्षण एवं रिकार्ड का गहनता पूर्वक अवलोकन किये ।

इसी कड़ी में मानव सहित समपार फाटक संख्या 380 का निरीक्षण किये । जिसमें हाइट गेज, रोड सरफेस, गेट बूम, हाइट स्पीड ब्रेकर,गेट रिले रूम इत्यादि की जांच की गई एवं ड्यूटी पर तैनात गेटमैन से संरक्षा संबंधित पूछताछ की तथा इंटरलाकिंग एवं अन्य पैरामीटर का अवलोकन किया । इसी के साथ कार्यरत डीटीएम-05 गैंग टीम का निरीक्षण किये तथा गैंग के सदस्यों के साथ वार्तालाप कर रेलपथ में कार्य के दौरान की जाने वाली सावधानियों, संरक्षा संबंधी ज्ञान, उपकरणों की उपलव्धता आदि से संबधित जानकारी ली । इसी क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा भाटापारा स्टेशन का उन्होंने गहन निरीक्षण कर सुरक्षा के मापदंडों का अवलोकन किये । यात्रियों की सुरक्षा में लगे रेलवे सुरक्षा बल के बैरक , बुकिंग ऑफिस, वैगन एवं कैरेज कार्यालय,रेलवे कॉलोनी, स्टॉफ क्वाटर का निरीक्षण किये । इस दौरान महाप्रबंधक तथा अधिकारियों द्वारा पर्यावरण अनुकूलन हेतु वृक्षारोपण भी किया गया । महाप्रबंधक महोदय द्वारा अंबुजा सीमेंट साइडिंग , गुड्स ऑफिस रूक्र्रक्क साइडिंग का निरीक्षण कर वहाँ चल रहे सरंक्षा का जायजा लिए । इसके तत्पश्चात भाटापारा - हथबंध स्टेशन के मध्य स्पीड़ ट्रायल किया गया। इसी कड़ी में महाप्रबंधक महोदय जी ने सिलियारी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं , रेलवे कॉलोनी, बाल उद्यान , स्टॉफ क्वाटर,बुकिंग ऑफिस का निरीक्षण कर जायजा लिया । इस दौरान उन्होंने स्थानीय जन प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए । इस संरक्षा निरीक्षण के उपरांत महाप्रबन्धक महोदय ने संबंधित अधिकारियों को स्टेशनों पर भविष्य की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए यात्री सुविधाओं तथा परिचालन संबंधी निमार्णाधीन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किये जाने के निर्देश दिए । उन्होंने रेल संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं एवं पुर्नविकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय जन प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए तथा मीडिया के प्रतिनिधियों से यात्री सुविधा विकास, सुरक्षा, संरक्षा, निर्माण परियोजनाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की ।

सीमा को मिला उज्जवला योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के अंतर्गत मुंगेली जिला के ग्राम जरहागांव के गांधी मैदान में शिविर का आयोजन किया गया। जहां शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगायी गई और लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में हितग्राहियों से पात्रतानुसार फॉर्म भराया गया। 500 से अधिक हितग्राहियों ने आवेदन किया। वहीं 23 लोगों का मौके पर आयुष्मान कार्ड बनाया गया तथा एक हितग्राही श्रीमती सीमा कश्यप को गैस चूल्हा प्रदान किया गया।

सीमा ने छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि शिविर में आकर उन्हें उज्जवला योजना के तहत गैस सिलैंडर और चूल्हा दिया गया है। अब उन्हें खाना बनाने में किसी प्रकार की परेशानी नही होगी। धुएं से भी मुक्ति मिल गयी है। विधानसभा क्षेत्र मुंगेली के विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर राहुल देव, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अवलोकन किया और छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 322 आवेदकों ने फार्म जमा किया। वहीं स्वच्छ भारत योजना के तहत शौचालय के लिए 54, उज्जवला योजना अंतर्गत गैस के लिए 90, किसान क्रेडिट कार्ड के लिए 03 आवेदकों सहित 500 से अधिक हितग्राहियों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने फार्म जमा किया।

जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने किया गुरू घासीदास बाबा को याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पवन निर्मलकर ने बताया कि 18 दिसम्बर गुरू घासी दास जंयती के उपलक्ष्य में जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने शहर के नंदई स्थित सतनाम भवन पहुंचकर गुरू बाबा के छायचित्र एवं जैतखाम पर हार फुल माला चढ़ाकर उनके उपदेशों को याद किया।

इस अवसर पर राजेश बिसने जिला महामंत्री ने कहा कि उंच-नीच का भेद समाप्त कर सभी का सम्मान करने और हिंसा मिटाकर सभी से प्रेम तथा भाईचारे का संबंध स्थापित करने की सीख देने वाले बाबा गुरू घासीदास जी के विचारों को युग-युगांतर तक मनुष्यों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव वर्मा, वार्ड पार्षद विजय राय, जिला मंत्री तामेश्वर साहू, जिला सोशल मिडीया प्रभारी विजय कुमार सिन्हा, सतीश धीवर,राजकुमार साहू, अंबर साहू, संदीप सोनी, शैंकी बग्गा एवं सतनाम समाज के प्रमुख एवं वार्डवासी उपस्थित थें।

साथी परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध के एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पंचायत भवन दुर्ग में साथी परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध के एक महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय संयोजक मनीष शाह की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिसमे चेंबर महामंत्री अजय भसीन की अध्यक्षता में चेंबर प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ। प्रतिनिधि मंडल में दुर्ग चेंबर अध्यक्ष प्रह्लाद रूंगटा,प्रदेश मंत्री अशोक राठी व प्रदेश संयोजक अनुराग लाल व इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से गजेंद्र चंद्राकर भी उपस्थित थे।

अजय भसीन ने बताया कि फेड भारत सरकार की केंद्रीय कोऑपरेटिव है जो विगत 50 वर्षों से कृषि एवं कृषकों के हित में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। नाफेड द्वारा देश के कृषको की आय दोगुना करने, आत्म निर्भर

भारत को बढ़ावा देने तथा मेक इन इंडिया को बढावा देने के दृष्टिकोण से साथी परियोजना संपूर्ण भारत मे प्रारम्भ की गई है।

योजना अंतर्गत संपूर्ण भारत के प्रत्येक जिले मे साथी बाजार स्थापित किये जावेगें। यह सभी साथी बाजार आपस मे एक दूसरे से नेटवर्क के माध्यम से जुड़े रहेगें। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के कृषको एवं उद्यमियो को योजना का लाभ देने के दृष्टिकोण से नाफेड के साथ अनुबंध निष्पादित कर योजना के क्रियान्वयन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय, रायपुर को लीड एजेंसी तथा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड, रायपुर को सहयोग एजेंसी बनाया गया है। योजना के सफल संचालन हेतु राज्य स्तर पर कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता मे तथा जिलो मे कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है ।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि योजना के सफल संचालन के लिए राज्य एवं जिला स्तरीय समिति मे छत्तीसगढ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों को शामिल किया जावेगा। भसीन जी ने आगे बताया कि योजना अनुसार राज्य के प्रत्येक जिले में जिला मुख्यालय के उपयुक्त स्थल पर तीन से पांच एकड भूमि पर साथी बाजार स्थापित किये जावेगें।

साथी बाजार के संचालन हेतु प्रत्येक जिले मे दस हजार महिलाओ का किसान उत्पादक कंपनी के रूप में गठन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से किया जावेगा। प्राथमिक रूप से मिलेट्स उत्पादों के साथ स्थानीय उत्पादों को प्रत्येक साथी बाजार में स्थान दिलाने चेंबर सहयोगात्मक भूमिका निभाएगा साथ ही मॉर्डन रिटेल आउटलेट, फूड कोर्ट, एंटरटेनमेन जोन, एग्रीमॉल, अन्य उद्यम चैम्बर ऑफकॉमर्स छत्तीसगढ़ के सहयोग एवं मार्गदर्शन मे खोले जावेगें।

51 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति, देव दक्षिणा में लिया बुराई छोड़ने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में गायत्री प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर रायपुर एवं रायपुर महानगर के गायत्री परिजनों के सहयोग से 15 से 18 दिसम्बर तक आयोजित राष्ट्र जागरण 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के अंतिम दिवस बड़ी संख्या में दूर दराज से श्रद्धालुगण यज्ञ में सम्मिलित हुए। पूर्णाहुति के पश्चात महाभण्डारे का आयोजन किया गया तथा शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली की बिदाई की गई।

कार्यक्रम संयोजक रामकृष्ण साहू, एवं जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद ने संयुक्त रुप से बताया कि यज्ञ के माध्यम से सुख समृद्धि एवं राष्ट्र की उन्नति एवं प्रगति की प्रार्थना की गई। श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति में देवदक्षिणा स्वरूप अपने जीवन की एक-एक बुराई को छोड़ने एवं एक-एक अच्छाई को ग्रहण करने का संकल्प लिया। शांतिकुंज हरिद्वार से आए मुख्य वक्ता योगेश पटेल ने देवमंच से कहा कि केवल स्वाहा-स्वाहा करने से यज्ञ पूर्ण नहीं होगा। हमें अपने जीवन में त्याग, परोपकार और सेवा को भी स्थान देना होगा, तभी यज्ञ पूर्ण होगा। आज व्यक्ति स्वार्थ में डूबा हुआ है और केवल अपने हित की सोचता है इस कारण ज्यादा सुखी होने के स्थान पर और दुखी होता जाता है। इसका एकमात्र समाधान है कि हम प्रेम, सद्भावना, सद्विवेक, सदाचार को अपने जीवन में स्थान दें। तभी हम सुख शांति से जीवन जी सकते हैं। मानव में देवत्व और धरती पर स्वर्ग का अवतरण के लिये व्यक्ति को प्रज्ञा पुराण जैसे सद्ग्रंथों का नियमित अध्ययन करना चाहिए। यह कथा व्यक्ति के दूषित चिंतन और भ्रष्ट आचरण को सुधारने वाली औषधि है। इसके सेवन से अनाचार, अत्याचार, भ्रष्टाचार और व्यभिचार से मानव मात्र को मुक्ति मिलेगी और धरती पर सतयुग का आगमन होगा। उनके द्वारा लोगों को नशा उन्मूलन, गौ संवर्धन, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, मृतक भोज आदि के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। शांतिकुंज हरिद्वार के ऋषिपुत्रों ने युग संगीत के माध्यम से यज्ञ महिमा का वर्णन किया एवं बताया कि मनुष्य के सभी समस्याओं का समाधान पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित गायत्री महाविज्ञान में निहित है गायत्री मंत्र में दार्शनिक व वैज्ञानिक पक्ष को बताते हुए उपस्थित लोगों से प्रतिदिन गायत्री महामंत्र का जप करने कहा गया। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर भारतीय संस्कृति के पांच आधार स्तंभ गौ, गंगा, गीता गायत्री और गुरू तत्व को जागृत करने के संबंध में भी बताया गया।

निःशुल्क संस्कार करवाया गया। गायत्री परिवार रायपुर के प्रोटोकॉल प्रभारी अमित डोये एवं मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि आज केवल चिन्ह पूजा के रुप में संस्कार परम्परा का प्रचलन रहा गया है। वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक बोध एवं प्रशिक्षण के अभाव में यह केवल एक कर्मकाण्ड एवं फिजूलखर्ची बनकर रह गया है इसलिये गायत्री परिवार के माध्यम से संस्कार के पूर्व उसके महत्व को विस्तार से बताया जाता है एवं निःशुल्क संस्कार करवाया जाता है। शांतिकुंज हरिद्वार की टोली ने देवमंच से संस्कार परम्परा के वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक कारण को बताते हुए कहा गया कि जैसे किसी यात्रा की सार्थकता व सफलता के लिये जरुरत की वस्तुएं, यात्रा का उद्देश्य, यात्रा का मार्ग, एवं आने वाली समस्याएं तथा किन लोगों का मार्गदर्शन उपयुक्त रहेगा जानना आवश्यक है।

मनखे-मनखे एक समान का अनमोल संदेश आज 267 साल बाद भी प्रासंगिक- जितेन्द्र वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। परमपूज्य गुरुघासीदास की जयंती के अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुर्ग के वार्ड क्रमांक 44 में सतनाम जागृति सेवा समिति द्वारा स्थापित जैतखाम के समक्ष नतमस्तक होकर गुरु घासीदास को नमन किया तत्पश्चात गुरु गद्दी का दर्शन और पूजन कर सामाजिक बंधु को जयंती की बधाई दी।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि गुरुघासीदास जैसे संत ने इस धरा पर जन्म लिया। गुरुघासीदास त्याग, सेवा और सर्मपण का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, गुरुघासीदास ने समाज को एक दिशा दी है उन्ही के बताए मार्ग पर चलकर समाज ने नये आयामों को छुआ है। उन्होंने कहा कि गुरुघासीदासजी का संदेश 卐मनखे-मनखे एक समान ये स्पष्ट करता है कि

सभी मनुष्य एक समान है। कोई छोटा या बड़ा नहीं है। ईश्वर ने सभी मनुष्यों को एक जैसा बनाया है, इसलिए जन्म के आधार पर किसी के साथ भी कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। घासीदासजी ने वर्ण-भेद से परे समाज की स्थापना पर बल दिया, जो कि जातिविहीन और आत्मनिर्भरता के सिद्धांत पर आधारित था, जिसका पावन उद्देश्य जातियों में बंटे हुए लोगों को एक सूत्र में बांधते हुए समुन्नत समाज की स्थापना करना था। जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश भाजपा सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय की अगुवाई में सामाजिक समरसता को स्थापित कर सतनामी समाज के हित में उल्लेखनीय कार्य हेतु संकल्पित है। उन्होने कहा कि परमपूज्य गुरुघासीदासजी को वे शत शत नमन करते हैं और सतनामी समाज की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करते हुए अपनी शुभकामनाएं देते हैं। भाजपा नेताओं में जिला भाजपा महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, जिला भाजपा उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार पाध्ये, दिलीप साहू, आशीष निमजे, राजा महोबिया, सुनील साहू, मदन वाढई, सुनील अग्रवाल, गणेश निर्मलकर, साजन जोसेफ, रोमनाथ साहू, अनूप सोनी, गोवर्धन जायसवाल, कांता साहू, संजय बोहरा, अनिकेत यादव, संदीप बंछोर, इकराम कुरैशी शामिल हुए, इस दौरान हुए पंथी नृत्य दलों के प्रदर्शन की सतनाम जागृति सेवा समिति के अध्यक्ष कमलेश जांगड़े, सतनामी समाज भंडारी हीरा सिंह, गुरुगद्दी पुजारी चंद्रहास रात्रे, पार्षद प्रकाश जोशी, पूर्व पार्षद सुशीला खिलाड़ी, शिव डहरिया, राधेश्याम कोसरे ने सराहना की।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

पुलिस को बड़ी कामयाबी, हत्या और कैंप पर हमला करने की घटना में शामिल नक्सली हुआ गिरफ्तार

बीजापुर। जिले के रानीबोदली कैंप पर हमला और ग्रामीण की हत्या में शामिल एक जन मिलिशिया सदस्य गट्टापल्ली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए नक्सली के विरुद्ध कुटरू थाना में वैधानिक कार्यवाही के बाद न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को कुटरू थाना से सुरक्षाबल के जवानों की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर गट्टापल्ली की तरफ निकली हुई थी। इस दौरान जवानों ने गट्टापल्ली से एक जनमिलिशिया सदस्य मिच्चा लखमू पिता इरिया उम्र 37 निवासी गट्टापल्ली को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, लखमू 15 मार्च 2007 को कुटरू क्षेत्र के रानीबोदली कैम्प में हमला की घटना और 7 दिसम्बर 2009 को टूंगेली निवासी माड़वी दुलगो की हत्या की घटना में शामिल था। उसके खिलाफ कुटरू थाना में दो स्थाई वारंट लंबित हैं। पकड़े गए नक्सली के विरुद्ध कुटरू थाना में वैधानिक कार्यवाही के बाद न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया है।

कबीरधाम में हादसा: छोटा हाथी गाड़ी 30 फीट नीचे खाई में गिरी, एक की मौत, 10 से ज्यादा घायल

कबीरधाम। जिले में सोमवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे सड़क हादसे में एक की मौत और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा कुकदूर थाना अंतर्गत बजाग-पंडरिया सड़क मार्ग पर ग्राम चांटा के पास हुआ है। सभी लोग एमपी की ओर से छोटा हाथी वाहन में बैठकर आ रहे थे।

इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर 30 फीट नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे में मौके पर एक मजदूर की मौत हो गई है। घायलों को कुकदूर के सरकारी अस्पताल में लाया गया, जहां अस्पताल पहुंचने से पहले ही एक की मौत हो गई। 10 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जिन्हें कवर्धा के जिला अस्पताल में रेफर किया गया है। थाना से मिली जानकारी अनुसार, ये सभी मजदूर एमपी के हैं,जो कबीरधाम जिले में गन्ना कटाने के लिए आ रहे थे। घटना के बाद रात होने के कारण खाई से घायलों को निकालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शाम सात बजे तक घायलों को अस्पताल लाने का दौर चलता रहा।

दंतेवाड़ा व बीजापुर से 11 नक्सली गिरफ्तार, सीएम साय के निर्देश के बाद एक्शन में फोर्स

पुलिस और केन्द्रीय बलों के जवान बस्तर अंचल के संवेदनशील इलाकों में लगातार कर रहे हैं सर्चिंग

■ **माओवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने एरिया डामिनेशन और काम्बिंग अभियान तेज**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा/बीजापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य में नक्सल घटनाओं पर कड़ाई से रोक लगाने के लिए पुलिस एवं केन्द्रीय बलों के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू हुए सर्चिंग अभियान को बड़ी सफलता मिली है। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में 11 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। बीजापुर जिले के गट्टापल्ली में थाना कुटरू के पुलिस जवानों के द्वारा जनमिलिशिया सदस्य मिच्या लखमू को पकड़ा गया। मिच्या लखमू 15 मार्च 2007 को रानीबोदली कैम्प हमले में शामिल था। 7 दिसंबर 2009 को ग्राम टुंगेली के ग्रामीण माढ़वी दुलगो के हत्या में भी मिच्या लखमू शामिल रहा है। इसके विरूद्ध थाना कुटरू में दो वारंट भी लंबित है। मिच्या लखमू को बीजापुर न्यायालय में पेश किया गया है।

बीते कुछ दिनों से बस्तर अंचल में नक्सली हमले में आयी तेजी को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की आपात बैठक लेकर इन घटनाओं की रोकथाम और नक्सलियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राज्य में विशेषकर बस्तर अंचल में पुलिस और केन्द्रीय बल के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से संवेदनशील इलाकों में सर्चिंग का अभियान तेज कर दिया गया है। माओवादियों की मौजूदगी को लेकर पतासाजी शुरू कर उनकी धरपकड़ का अभियान शुरू कर दिया गया है।

दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सरहदी क्षेत्र हुर्रेपाल एवं बेचापाल में भैरमगढ़ एरिया कमेटी कामारूर एलओएस कमांडर सोनू आयाम के साथ लगभग 20-25 माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., दंतेवाड़ा रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक श्री कमललोचन कश्यप, सीआरपीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक विकास कठेरिया एवं पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मार्गदर्शन में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा तथा सीआरपीएफ 230 बटालियन यंग प्लाटून नरेली का संयुक्त बल बेचपाल, हुर्रेपाल एवं गहनार के जंगल की ओर सर्चिंग के लिए रवाना किया गया।

इस इलाके में पुलिस पार्टी को देखकर कुछ संदिग्ध लोग भागने और छिपने लगे पुलिस पार्टी ने घेराबंदी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें मोती ओयाम, कारू कड़ती, छोटू हेमला, राजेश कड़ती, सोमारू ओयाम, सुनील माड़वी, माड़का लेकाम, आयतु, कोया हेमला एवं बचलू मड़काम शामिल हैं। यह सभी बेचापाल एवं हुर्रेपाल पंचायत डीएकेएमएस, सीएनएम मिलिशिया के सदस्य है।

गिरफ्तार माओवादियों में सुनील माड़वी हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया का डिप्टी कमांडर है। यह सभी 26 नवम्बर 2023 को भांसी निर्माण कार्य में लगे वाहनों की आगजनी की घटना में शामिल रहे हैं। गिरफ्तार किए गए सभी माओवादियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सीएम विष्णुदेव साय के निर्देश के बाद पुलिस की कार्रवाई तेज, सुकमा में नक्सली स्मारक ध्वस्त

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के परिपालन में पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा राज्य में नक्सलियों के विरूद्ध कार्रवाई तेज कर दी गई है। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत बस्तर अंचल के सुदूर इलाकों में एरिया डामिनेशन और काम्बिंग शुरू कर दी गई है। बड़े पैमाने पर सर्चिंग की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को सुकमा जिले के सलातोंग गांव के मध्य नक्सलियों द्वारा बनाया गया विशालकाय स्मारक पुलिस के जवानों की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण के निर्देशन में एएसपी नक्सल ऑपरेशन प्रभात कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस जवान आज सलातोंग गांव पहुंचे और गांव के बीच बने नक्सली स्मारक को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। पूरे जिले में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

जगदलपुर में चाचा-भतीजे का एक्सीडेंट, तेज रफ्तार कार पुल से टकराई, एक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नेशनल हाइवे 30 पर रविवार-सोमवार की रात रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार बस्तर के समीप पुल से टकरा गई, हादसे के समय कार में दो ही लोग सवार थे। जिसमें कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बगल में बैठा युवक घायल हो गया।

घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर आ पहुंची। वहीं घायल और मृतक आपस में चाचा भतीजा लगते थे। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। जहां सुबह परिजन आ पहुंचे। वहीं घायल को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ओडिशा के कोरापुट जिला अंतर्गत जयपुर निवासी विमल कुमार सोनी 53 वर्ष अपने भतीजे अनिल सोनी के साथ रायपुर से जयपुर घर जा रहे थे। इसी बीच रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि लगभग दो बजे नगर पंचायत बस्तर के समीप तेज रफ्तार कार क्रमांक ओडी 10 टी 4111 अनियंत्रित होकर पुल में जा टकराई। घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार के सामने का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

कार चालक को सिर में गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठे भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया। बस्तर पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को वहां से बाहर निकालकर पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बस्तर भेजा गया। वहीं घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सोमवार को पीएम के पश्चात शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

रुंगटा के छात्र ने अपने कमरे में लगाई फांसी, दो दिन पहले लौटा था घर से, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रूंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज में बीकॉम फर्स्ट ईयर के छात्र ने तालपुरी स्थित अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार को कॉलोनी के कुछ लड़कों ने उसको फंदे पर लटकता देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। मृतक छात्र की पहचान मोहित मेहता (19) के रूप में हुई है। मोहित मेहता मूलत: हरियाणा के हिसार का रहने वाला था। भिलाई के तालपुरी के पारिजात कॉलोनी में किराए से कमरा लेकर रह रहा था। दो दिन पहले ही वह अपने घर से लौटा था।

मिली जानकारी के अनुसार तालपुरी पारिजात कॉलोनी में मकान नंबर 29 सी में रहने वाले छात्र मोहित की आज फांसी पर लटकती लाश मिली। सोमवार की सुबह उसकी लाश को लटकते देखा तो भिलाई नगर पुलिस को सूचना दी गई। मृतक मोहित के संबंध में उसके रूम मेट ने बताया कि मोहित अपने घर गया था जहां से दो दिन पहले ही भिलाई वापस आया था। इस दौरान उसने किसी को कोई परेशानी या अन्य समस्या के बारे में नहीं बताया।

खर्च चलाने पार्ट टाइम जॉब करता था मृतक छात्र

कॉलोनी वालों ने बताया कि मृतक मोहित पार्ट टाइम जॉब करता था। रिसाली स्थित गर्ग शूज में पार्ट टाइम जॉब भी करता था। दुकान में काम करने वाले एक साथी के साथ क्वार्टर शेयर कर रहता था। जब रविवार शाम 5 बजे के आसपास दोस्तों ने मोहित को फोन किया, तो किसी प्रकार का रिस्पांस नहीं मिला। सोमवार सुबह उसके दोस्त तालपुरी स्थित कमरे में देखने पहुंचे। तब उन्होंने देखा कि मोहित की लाश पंखे से लटकी हुई थी। अचानक ही उसने ऐसा कदम क्यों उठाया यह पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने पूरे कमरे की तलाशी ली, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

सिगरेट के लिए युवक की हत्या, नाबालिग सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

■ **ईंट-पत्थर व डंडे से पीटकर उतारा था मौत के घाट, कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बघेरा में रविवार शाम को युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। कोतवाली पुलिस ने सोमवार को इस मामले का खुलासा किया है। दरअसल हत्या की वजह सिगरेट पीने की बात बताई जा रही है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त डण्डा, लाठी एवं पत्थर बरामद कर लिया है। कोतवाली पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 147, 148 के तहत कार्रवाई की है।

बता दें रविवार शाम को पंचशील नगर दुर्ग निवासी रॉकी सोनकर की बघेर में कुछ युवकों द्वारा हत्या कर दी गई थी। युवक का शव बघेरा रोड किनारे नाली में चित अवस्था में पड़ा मिला था। मृतक के चेहरे व शरीर पर काफी चोट के निशान पाए गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा और आरोपियों की तलाश शुरू की। हत्या के चंद घंटों बाद ही पुलिस को सफलता मिली। पुलिस ने इस मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

परिवार के लोगों ने बताया आरोपियों के नाम

पुलिस ने बताया कि हत्या की घटना के बाद पुलिस ने सबसे पहले परिजनों से पूछताछ की। मृतक रॉकी सोनकर के परिजन विवेक मंडल, राहुल सोनकर एवं सौरभ चंद्रवंशी से पूछताछ करने पर पता चला कि ग्राम बघेरा के पप्पू किराना दुकान के पास सिगरेट पीने की बात को लेकर रॉकी का रघुनाथ मंडावी, भूपेश साहू, अविनाश उर्फ बउवा मंडावी, चंद्रकांत उर्फ चिन्टू ठाकुर, आकाश मंडावी व एक नाबालिग के साथ विवाद हुआ था। इस दौरान सभी ने मिलकर रॉकी की हाथ, मुक्का, डण्डा से मारपीट व पत्थर पटक कर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को नाली में फेंककर फरार हो गए।

आरोपियों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इनकी तलाश के लिए अलग अलग टीमें बनाई। पुलिस की टीम को जल्द ही सफलता मिल गई। पुलिस ने एक साथ सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को मामले का खुलासा किया गया। पुलिस ने आरोपियों के द्वारा घटना में प्रयुक्त लाठी, डण्डा एवं पत्थर के साथ ही साथ मृतक प्रेम उर्फ रॉकी मंडल के द्वारा पकडे हुए चाकू को नाली से बरामद किया है। इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली थाना पुलिस, सीएसपी स्क्वॉड एवं एसीसीयू की टीम शामिल रही। गिरफ्तार आरोपियों में रघुनाथ मंडावी पिता स्व. सरस मंडावी (22), भूपेश साहू पिता किशोर साहू (21), अविनाश उर्फ बउवा मंडावी पिता छविलाल मंडावी (20), चंद्रकांत उर्फ चिन्टू ठाकुर पिता मनहर सिंग ठाकुर (26), आकाश मंडावी पिता छविलाल मंडावी (20) व एक नाबालिग शामिल है।

दुर्ग में सनसनीखेज वारदात, कार सवार ने युवक को घसीटा

■ **मामूली बात पर हुआ विवाद, आरोपी फरार**

दुर्ग। शहर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां बाइक सवार एक युवक को कार ने टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक सवारी युवक कार चालक से ठोकर मारने की वजह पूछने पर कार चालक ने बाइक सवार युवक को घसीटते हुए आगे लेकर चला गया। जिसके बाद कार छोड़कर फरार हो गया।

दुर्ग सिटी कोतवाली थाने से महज चंद कदमों की दूरी पर पटेल चौक पर एक बाइक सवार युवक को कार ने टक्कर मारी। जिसके बाद युवक जब कार सवार लोगो के पास बात करने गया तो उसके हाथ को कांच में फंसा के उसको लटका कर कार चालू कर दी। कुछ दूरी तक युवक वैसे ही लटका रहा और उसको रगड़ते हुए गिराने की कोशिश भी की।

उसके बाद तेज रफ्तार कार को नदी रोड ले गए वहां से उनको भागने का रास्ता नहीं मिला तो युवक को उतारकर फरार हो गए और कार में सवार लोगों को आसपास के लोगों की मदद से पकड़ा गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। जिसके बाद घेरा बन्दी करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी अभी भी फरार बताया जा रहा है। उसकी तलाश की जा रही है। दोनो आरोपी रायपुर के रहने वाले है। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

एसएमएस-3 में आयोजित सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन

भिलाई। बीएसपी के इस्पात गलन शाला 3 (एसएमएस-3) में आयोजित सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह, महाप्रबंधक प्रभारी एस के अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में 16 दिसंबर 2023 को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सुरक्षा शपथ, सुरक्षा गीत एवं सुरक्षा संबंधित क्विज से हुई। कार्यक्रम में विभाग प्रमुख एवं महाप्रबंधक ए बी श्रीनिवास, महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी श्रीमती पुष्पा एंब्रोस, महाप्रबंधक टी बैठा, महाप्रबंधक डी के वार्ष्णेय, महाप्रबंधक एस के मिश्रा एवं अशोक महोर, यूनियन पदाधिकारी सहित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। औद्योगिक सुरक्षा की दृष्टि से ओएचएस हेतु एसएमएस-3 के बिल्डिंग क्रमांक-5 में स्थित एक नए कमरे का उद्घाटन मुख्य अतिथि, एस के अग्रवाल द्वारा किया गया। एसएमएस-3 एवं बीएफ-8 के सदस्यों के प्राथमिक उपचार के लिए इस कमरे का उपयोग किया जाएगा। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारी गणों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मेसर्स पीजीईपीएल ने अधिकतम सहभागिता के लिए विशेष अवार्ड जीता।

निगम की कार्रवाईः खुले में चिकन, मटन और मछली दुकान पर निगम का एक्शन

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा चलाये जा रहे बेदखली अभियान।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर सोमवार को खुले में अवैध रूप से सड़क किनारे धमधा रोड किनारे संचालित चिकन मटन के दुकान लगाने वाले तथा सड़क किनारे तंबू तानकर व घेरकर सड़क बाधा करने वालों के विरूद्ध चला।धमधा नाका रोड नई गंज मंडी क्षेत्र सड़क किनारे क्षेत्र में नाली के उपर तंबू तानकर शेड डाल कर किये गये अवैध कब्जा को अतिक्रमण अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,सहायक बाजार अधिकारी थानसिंह यादव की उपस्थिति में अतिक्रमण विरोधी ने ध्वस्त किया गया तथा सड़क किनारे में लम्बे समय से लगे 42 प्रचार-प्रसार के गेट को हटाने के साथ साथ जब्त किया गया। जिससे सड़क व नाली सफाई में भी बाधा आ रहा था। जिसे पुलिस बल की उपस्थिति में अवैध कब्जा को निगम अतिक्रमण टीम द्वारा ध्वस्त किया गया। निगम द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के तहत अवैध रूप से संचालित चिकन-मटन की दुकान 7 दुकानों को हटाया गया और मुर्गी रखने वाली जाली को जब्त किया गया।

ठाकुर देव मंदिर समिति ने दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव का किया अभिनंदन

दुर्ग। विधायक गजेंद्र यादव का कायस्थ वार्ड स्थित ठाकुर देव मंदिर समिति द्वारा सम्मान एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर वार्ड के नागरिकों के साथ-साथ महिलाओं बुजुर्ग एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समिति के कार्यकर्ताओं ने कहा कि इससे पहले भी गजेंद्र यादव ने उनकी समिति के लिए काफी कार्य किए हैं और उनका उत्साहवर्धन किया है। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने लोगों का प्यार देखकर कहा शहर की जनता ने उनपर भरोसा किया है इस भरोसे पर पूरी रीति से खारा उतरने का विश्वास दिया। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस के रुके हुए कार्यों को अंजाम देंगे।

बाबा गुरु घासीदास जी ने हमें जीवन जीने की कला सिखाई, यह उनकी सबसे बड़ी देन है : ललित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्रामीण विधानसभा ललित चंद्राकर जी ने आज सतनाम पंथ के संस्थापक बाबा गुरु घासीदास की 18 दिसम्बर को जयंती के अवसर पर दुर्ग ग्रामवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। ललित चंद्राकर जी ने कहा है कि बाबा गुरु घासीदास ने अपने उपदेशों के माध्यम से दुनिया को सत्य,अहिंसा और सामाजिक सद्भावना का मार्ग दिखाया। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक समरसता और सबके उत्थान की दिशा में काम किया। ललित चंद्राकर ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने लोगों को मानवीय गुणों के विकास का रास्ता दिखाया और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की।

उनका जीवन दर्शन और विचार मूल्य पूरी मानव जाति के लिए कल्याणकारी और अनुकरणीय है। गुरु घासीदास के सप्त सिद्धांत गुरु घासीदास के सात वचन सतनाम पंथ के सप्त सिद्धांत के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जिसमें सत्नाम पर विश्वास, मूर्ति पूजा का निषेध, वर्ण भेद एवं हिंसा का विरोध, व्यसन से मुक्ति, परस्त्रीगमन का निषेध और दोपहर में खेत न जोतना आदि हैं। बाबा गुरु घासीदास द्वारा दिये गये उपदेशों से समाज के असहाय लोगों में आत्मविश्वास, व्यक्तित्व की पहचान और अन्याय से जूझने की शक्ति प्राप्त हुई। बाबा सामाजिक एवं आध्यात्मिक जागरण की आधारशिला स्थापित करने में सफल हुए। छत्तीसगढ़ में आज भी इनके द्वारा प्रवर्तित सतनाम पंथ के लाखों अनुयायी हैं मौजूद हैं।

ललित चंद्राकर 18 दिसम्बर को, ग्राम पंचायत हनोदा.ग्राम पंचायत धनोरा.भिलाई नगर निगम डुण्डेरा ग्राम.कोलिहापुरी और खम्हरिया मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा,समाज प्रमुख चंद्रशेखर बंजारे जी,सरपंच सुखीराम यादव जी पूर्व सरपंच श्रीमती कमलेश्वरी यादव ,चंद्रप्रकाश टण्डन, ,सोनु राजपुत,प्रवीण यदु,बालकदास डहरे, गज्जु साहू, हेमराज देशलहरे, विजेन्द्र बंजारे,हरि कुर्रे, पुनीत बंजारे,श्रीमती चमेली बंजारे, भुनेश्वरी बंजारे गांव में आयोजित बाबा गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं आज परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा की जयंती एवं भव्य शोभा यात्रा का आयोजन सतनामी समाज,और ग्राम वासियों के द्वारा किया गया था । इस जयंती को ऐतिहासिक बनाने के लिए ग्राम पंचायतों द्वारा क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण जन जोर-शोर से तैयारी में जुटे रहे हैं। साथ ही ग्राम वासियों ने ललित चंद्राकर का भव्य स्वागत हुआ और मंचों पर गुलदस्ता फूल फूलों से भी स्वागत किया गया

ललित चंद्राकर ने ग्राम वासियों से कहा मेरे छत्तीसगढ के मुखिया विष्णुदेव साय जी से मोदी की गारंटी को लेकर विशेष बात हुई है मुझे अपनी विधानसभा में रिशाली नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में और ग्रामीण पंचायत वासियों को और शहर वाशियो के लिए केंद्र सरकार की योजना से अधिक से अधिक लोगों तक योजना का लाभ मिले इसके लिए मैं निरंतर अधिकारियों से भी और पंचायत सरपंचों से और पार्षद से विस्तार से बातचीत हुई है मैं काम करता रहूंगा ।

महिलाओं के लिए कई घोषणाएं

इसमें महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी, 6,000 रुपये में प्रति बैग तेंदू पत्ते की खरीद और तेंदू पत्ता संग्राहकों को 4,000 रुपये का वार्षिक बोनस,गरीबों को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज का वादा करते हुए,सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को सहायता राशि एवं स्व-सहायता समूहों का ऋण माफऔर पीएम आवास योजना हर गरीब परिवार को पक्का मकान मोदी जी गारंटी योजना के बारे में ललित चंद्राकर ने ग्राम वासियों आपने संबोधन में कहा और कोई योजना के बारे में जिक्र किया है।

गुरु के बताएं मार्ग पर चलने से ही जीवन सार्थक होगा-देवेंद्र यादव

भिलाई। गुरु घासीदास जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। सेक्टर 6 सतनाम भवन में सतनामी समाज के प्रभुत्वजनों ने भव्य आयोजन किया। लगातार तीन दिन से चल रहे पूजा पाठ और शोभायात्रा से लेकर अन्य कार्यक्रम हुए। इस दौरान विधायक श्री यादव ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। गुरू गद्दी पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें प्रमाण किए। सत्य के प्रतिक जैतखाम में दीप प्रज्जवलित कर आरती की और गुरू घासीदास जी को प्रमाण किए।

समाज को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल में यहां बाबा का आशीर्वाद लेने आता हूं। मेरा सौभाग्य है, जो आप लोगों की सेवा का मौका मिला और इस बार भी आप लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया। बाबा गुरू घासीदास जी हम सब ही नहीं पूरे मानव जाति को सत्य का मार्ग दिखाएं हैं।

मानव जीवन के सार को बहुत ही सरलता से बताएं है। समाज के दुष्प्रथाओं को भी गुरूदेव ने बताया है ताकि हम उन चीजों से दूर रहे। बाबा के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चले। मनखे मनखे एक समान का संदेश उन्होंने दिया है और हम सब को भी अपने गुरू के बताए मार्ग पर चलना होगा। तभी हमारे जीवन सार्थक होगा।

बाबा गुरुघासीदास का जीवन समूची मानव-जाति के लिए कल्याण का प्रेरक सन्देश देता हैः ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत ग्राम हनोदा, कोलिहापुरी, निकुम, डुंडेरा एवं ग्राम उमरपोटी में बाबा गुरुघाशी दास जी के जयंती कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बाबा गुरुघाशी दास जी की पुजा अर्चना किया गया। कार्यक्रम के अतिथि प्रदेश पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल केशव बंटी हरमुख, महापौर रिसाली शशि सिन्हा, एल्डर मैन तरुण बंजारे,जनपद उपाध्यक्ष झमीत गायकवाड़ , जनपद सदस्य रूपेश देशमुख, सरपंच गण तेजराम चंदेल, टिकेंद्र ठाकुर, मुक्ति सुधाकर सरपंच निकुम, जमुना ठाकुर पार्षद, तारा शर्मा, दीपनारायण यादव, राजेश वर्मा, धरम साहू, सुनील मिश्रा,अशोक साहू, सुखचंद देशलहरा सहित सामज के प्रमुख जन उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री साहू ने गुरू घासीदास की जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन में कहा कि गुरु घासीदास महान सन्त एवं समाजसुधारक बाबा गुरुघासीदास का जीवन छत्तीसगढ़ की धरती के लिए ही नहीं अपितु समूची मानव-जाति के लिए कल्याण का प्रेरक सन्देश देता है ,आगे कहा कि सतनामी धर्म के प्रवर्तक छत्तीसगढ़ के यह महान पुरुष एक सिद्धपुरुष होने के साथ-साथ अपनी अलौकिक शक्तियों एवं महामानवीय गुणों के कारण श्रद्धा से पूजे जाते है ।इस अवसर पर ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

गैर संकार्य विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी प्रक्रियात्मक अनुशासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, उन्हें प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म शिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है।

इसी क्रम में गैर संकार्य विभाग के कार्मिकों हेतु यह आयोजन, इस्पात भवन सभागार में किया गया। जिसमें अगस्त 2023 एवं सितम्बर 2023 के लिए वित्त एवं लेखा विभाग से वरिष्ठ स्टॉफ सहायक (वित्त) धरमवीर बंछोर, सामग्री प्रबंधन से कनिष्ठ स्टोर कीपर उत्तरा कुमार रावटे, नगर सेवायें विभाग से वरिष्ठ तकनीशियन पुरूषोत्तम, ओ सी टी चमारूराम एवं हेल्थ इंसपेक्टर सरत एवं सी एस आर विभाग मे कार्यरत कनिष्ठ स्टॉफ सहायक अंजनी कुमार द्विवेदी को मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवायें एवं सीएसआर) जितेन्द्र यादव सपकाले, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) संदीप माथुर, महा प्रबंधक प्रभारी (स्टोर्स) एन आर शेनॉय एवं महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आर के भट्टाचार्जी के द्वारा सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार योजना में पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान के रूप में प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक की पत्नि के लिए प्रशंसा पत्र एवं मिठाई पैकेट प्रदान की जाती है। साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्शित किया जाती है।

इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (नगर सेवायें-सम्पदा) के के यादव, सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक-नगर सेवायें) जी एम व्ही पद्मिनी कुमार, सहायक प्रबंधक (नगर सेवायें-सम्पदा) मिलिंद कुमार बंसोड, वरिष्ठ प्रबंधक (एम एम-स्टोर्स), एस के मिश्रा, वरिष्ठ प्रबंधक (नगर सेवायें-पीएचडी) आर.के.गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक (नगर सेवायें-पीएचई) पी एल साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (नगर सेवायें-पीएचई) व्ही.के.भोंडेकर, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक) आर के महाराणा एवं वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य) सुश्री उशा साजी की गरिमामय उपस्थिति रही ।

बीएसपी के मटेरियल्स रिकवरी विभाग में हिंदी कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के एमआरडी विभाग के सभागार में 15 दिसम्बर 2023 को विभाग प्रमुख, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) सुशील कुमार के मुख्य आतिथ्य में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन एवं भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीतियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में महाप्रबंधक दिनेश अग्रवाल, महाप्रबंधक दीनामणि नायक, सहायक महाप्रबंधक अवनीश दुबे, वरिष्ठ प्रबंधक लव कुमार, प्रबंधक बी ईश्वर राव तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सुशील कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारे देश की प्रमुख भाषा है। यह आम जनमानस की भाषा है व हम सबके हृदय को छूती है। हमने राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि हेतु सतत प्रयास किया है। हमारा विभाग एम.आर.डी. शत-प्रतिशत पत्राचार हिंदी में करने हेतु सदा अग्रसर रहा है। हमारा सारा संवाद, विभिन्न बैठक आदि विभागीय कार्यक्रमों की संपूर्ण कार्यवाही हिंदी में ही संपन्न होती है। दिनेश अग्रवाल ने कहा कि, विभागीय सुरक्षा मानकों से संबंधित सभी जानकारियों को भी हिंदी में जारी किया जा रहा है। श्री दीनामणि नायक ने कहा कि, गैर हिंदी भाषी प्रदेश से आने के बावजूद मैंने भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा में रहते ही हिंदी बोलना तथा लिखना सीखा है।

संकल्प यात्रा शिविर में 1655 लोगों ने शासन की योजनाओं का लाभ लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सोमवार को शहर के नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 शक्ति नगर एवं वार्ड क्रमांक 1 चंद्रशेखर स्कूल में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम शिविर लगाया गया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लोगो को 17 से अधिक योजनाओं से लाभांवित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क हेल्थ चेकअप की सुविधा प्रदान की गई है।

लोगो ने नि:शुल्क शुगर बीपी जांच की सुविधा का लाभ लिया। साथ ही जरूरतमंदों को डॉक्टरों द्वारा निशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया।इस दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू,पार्षद देवनारायण चन्द्राकर,मनीष साहू,चमेली साहू,कुमारी साहू,सहायक नोडल अधिकारी दिनेश नेताम,जावेद अली,दुर्गेश गुप्ता,राजेन्द्र धबाले,विनोद मांझी,मोहित मरकाम,दिनेश देवांगन,ममता देवांगन,रितेश

शर्मा,थानसिंह यादव,राजू बक्शी के साथ शिविर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिविर में लगे योजनाओं के स्टॉल में पहुँचकर अधिकारियों से अपडेड की जानकारी ली।उन्होंने सरकार की योजनाओं को शिविर में आये लोगो बताया कि केन्द्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत की गई है। योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की कड़ी में शहर क्षेत्र वार्ड 17 व वार्ड 1 में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न योजनाओं के तहत हजारों लोगों ने शिविर का फायदा लिया। इस शिविर में पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर में प्रधानमंत्री 103 स्वनिधी योजना के तहत 105 आयुष्मान कार्ड के लिए 21 आधार कार्ड के लिए 504 प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 397 लोगों ने पंजीयन कराया। 35 विश्वकर्मा योजना।शिविर में 69 लोगों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत अपना अनुभव साझा किया।शिविर में विश्वकर्मा योजना,आयुष्मान भारत,नल-जल मिशन, पीएम आवास योजना,स्टार्टअप योजना, मुद्रा लोन योजना, पीएम स्वनिधि योजना जैसी केन्द्रीय योजनाओं की जानकारी दी गई व लाभ लेने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई गई।

शिविर में आए हितग्राहियों ने बताया कि यहां आने से उन्हें शासन की बहुत सी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी मिली है,जिसका लाभ अब उन्हें मिलेगा। उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन पाने वाली पिंकी यादव एवम सीमा राजपूत और वार्ड की रहने वाली राजेश्वरी साहू ने बताया कि पहले वे चूल्हे में खाना बनाती थी, जिससे निकलने वाले धुएं से उन्हे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ता था। शिविर में आकर समस्त दस्तावेज जमा करने पर उन्हें तुरन्त उज्जवला गैस का कनेक्शन मिल गया।

जल प्रबंधन विभाग के कार्मिकों की पत्नियों के लिए आप भी जानिए कार्यक्रम सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के कार्मिक विभाग के द्वारा जल प्रबंधन विभाग में कार्यरत 21 कार्मिकों की पत्नियों के लिए आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत, अपने पतियों के कार्यस्थल के साथ-साथ भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों का भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक ए के जोशी तथा विशेष अतिथि के रूप में महाप्रबंधक जे पी सिंह, महाप्रबंधक ए बेनर्जी, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी रिजवान खान उपस्थित थे।

ए के जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से आप लोगों को संयंत्र के कार्यस्थलों को देखने, समझने का अवसर मिल रहा है। आप सभी संयंत्र का सुरक्षित तरीके से भ्रमण करें। अपने पति को घर से तनाव मुक्त डयूटी के लिए भेजें, ताकि वे सुरक्षित एवं तनाव मुक्त होकर अपनी जिम्मेदारी को पूरा कर घर लौट सके। सुरक्षा घर से घर तक को सार्थक करने में आप सभी की जिम्मेदारी विशेष महत्व रखती है। जब भी हमारे कार्मिक घर से डयूटी के लिए निकलते हैं, तो आप तीन चीजों का ध्यान रखें उनका गेटपास, उनकी दवाई और यदि वे दो पहिया वाहन से आते हैं तो क्रैश हेलमेट, क्योंकि सुरक्षा हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राजीव कुमार ने सभी महिलाओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आप लोगों को संयंत्र में अपने पति के कार्यस्थलों को देखने का मौका देता है। यदि आप उन्हें एक सुखद वातावरण देकर संयंत्र भेजते हैं, तो कार्यक्षेत्रों में उनके द्वारा हासिल की जाने वाली उपलब्धियों में आप लोगों की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। इसके साथ ही जल प्रबंधन विभाग से, कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में श्रीमती छाया, श्रीमती खेलेश्वरी अडमें, श्रीमती अमृत सुधाकर, श्रीमती ललिता बाई, श्रीमती उर्मिला तिवारी, श्रीमती लालती बाई, श्रीमती शाहनाज अहमद, श्रीमती मानमति, श्रीमती ज्योति कन्नौजे, श्रीमती लता, श्रीमती डॉ भावना साकुरे, श्रीमती नीलिमा ताम्रकार, श्रीमती डालिया धाले, श्रीमती जयंती साहू, श्रीमती मान बाई ठाकुर, श्रीमती ममता चंद्रवंशी, श्रीमती पुष्पा यादव, श्रीमती संतोषी बंजारे, श्रीमती अंशु देवी, श्रीमती अल्पना लकरा, श्रीमती पूजा कुमारी ने संयंत्र भ्रमण कर कार्यस्थलों को देखा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950